श्रावण शुक्ल - 7 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 20 ■ अंक - 20 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » रविवार » 11-08-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 जिन्हें अत्याचार में भी 'वोट बैंक' दिखाई देता है, वो जनता के हितैषी नहीं हो सकते : योगी

6 मेजर रणबीर सिंहः दुश्मन के पूरे झुंड का किया खात्मा, भारत मां के लिए सीने पर खाई गोली

7 इराक के प्रस्तावित विवाह कानून पर भड़कीं फातिमा सना शेख, कहा- यह भयानक है

फर्स्ट टेक

चीनी जेट विमानों ने हमारे गश्ती विमान को खतरे में डालाः फिलीपीन

मनीला/एपी। फिलीपीन के सेना प्रमुख ने शनिवार को कहा कि दक्षिण चीन सागर के ऊपर गश्त कर रहे वायुसेना के एक विमान के मार्ग में चीनी वायुसेना के दो विमानों ने खतरनाक पैंतरेबाजी की जो एक भड़काऊ कृत्य है। उन्होंने कहा कि स्कारबॉरो शोआल क्षेत्र के ऊपर यह घटना बृहस्पतिवार सुबह हुई। सेना प्रमुख जनरल रोमियो ब्रॉनर ने कहा कि घटना के बाद फिलीपीन की वायुसेना का 'एनसी-212' आई हल्का परिवहन विमान क्लार्क एयर बेस पर सुरक्षित लौट आया था तथा उसमें सवार सभी लोग सुरक्षित थे। उन्होंने घटना के बारे में और अधिक विवरण नहीं दिया। फिलीपीन के एक शीर्ष सुरक्षा अधिकारी ने 'एसोसिएटेड प्रेस' को बताया कि चीनी जेट विमान फिलीपीन के विमान के बहुत करीब आ गए थे तथा उन्होंने हमारे पायलटों की जान को वास्तव में खतरे में डाल दिया।

विदर्भ राज्य की मांग को लेकर प्रदर्शन के दौरान 350 लोग हिरासत में लिए गए

नागपुर/भाषा। पुलिस ने शनिवार को विदर्भ क्षेत्र को अलग राज्य का दर्जा देने की मांग को लेकर यहां आयोजित विरोध मार्च के दौरान 350 लोगों को हिरासत में लिया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। पूर्व विधायक वामनराव चटप के नेतृत्व में विदर्भ राज्य आंदोलन समिति (वीआरएएस) के कार्यकर्ता यशवंत स्टेडियम में एकत्र हुए और विधान भवन की ओर बढ़े। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि 350 प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लेकर पुलिस मुख्यालय ले जाया गया और शाम को रिहा कर दिया गया। उन्होंने बताया कि पुलिस ने जीरो माइल स्क्वायर पर मार्ग अवरुद्ध कर दिया। इससे हंगामा हुआ और कुछ प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया।

उत्तर कोरिया ने फिर दक्षिण कोरिया की तरफ कचरा भरे गुब्बारे उड़ाए

सियोल/एपी। दक्षिण कोरिया की सेना ने कहा है कि उत्तर कोरिया ने फिर से दक्षिण कोरिया की ओर कचरे से भरे गुब्बारे उड़ाए हैं। सेना ने शनिवार को कहा कि हवा से ये गुब्बारे दक्षिण कोरिया की राजधानी सियोल के उत्तरी क्षेत्रों तक पहुंच सकते हैं। सियोल सिटी हॉल और ग्योंगी प्रांतीय सरकार ने नागरिकों को संदेश जारी कर आसमान से गिरने वाली वस्तुओं से सावधान रहने और कोई गुब्बारा दिखाई देने पर सेना या पुलिस को सूचित करने का आग्रह किया है। हाल के हफ्तों में उत्तर कोरिया ने दक्षिण कोरिया की ओर 2,000 से अधिक गुब्बारे उड़ाए हैं।

वायनाड में राहत, पुनर्वास में हर संभव मदद करेगा केंद्र : प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वायनाड में भूस्खलन से तबाह इलाकों का किया दौरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वायनाड (केरल)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को आश्वासन दिया कि केंद्र वायनाड जिले के भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं पुनर्वास प्रयासों में हर संभव सहायता प्रदान करेगा। मोदी ने कहा कि सभी की संवेदनाएं भूस्खलन में जीवित बचे लोगों के साथ हैं। उन्होंने कहा कि इस घटना ने कई परिवारों के सपनों को तोड़ दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार केरल सरकार के साथ मिलकर उन लोगों की मदद करेगी जिन्होंने इस आपदा में अपना सब कुछ खो दिया। भूस्खलन की वजह से अब तक 226 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 130 से ज्यादा लोग लापता हैं।

प्रधानमंत्री यहां जिला कलेक्ट्रेट में जमीनी हालात की समीक्षा करने और भूस्खलन पीड़ितों के पुनर्वास की योजना तैयार करने के लिए आयोजित बैठक में बोल रहे थे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि जब से यह आपदा आई है, तब से वह ''यहां संपर्क में'' हैं और लगातार अद्यतन सूचना प्राप्त कर रहे हैं। मोदी ने कहा कि उन्होंने जीवित बचे लोगों से सुना कि उन्होंने क्या देखा और क्या अनुभव किया।

बैठक में केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान, मुख्यमंत्री पिनराई विजयन, केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी, आपदा स्थल के पास डेरा डाले कैबिनेट उप-समिति के मंत्री, वरिष्ठ नौकरशाह और स्थानीय प्रशासन के अधिकारी मौजूद थे।

इससे पहले, मोदी कन्नूर हवाई अड्डे से हेलीकॉप्टर द्वारा वायनाड पहुंचे। प्रधानमंत्री एयर इंडिया वन विमान से दिन में करीब 11 बजे कन्नूर हवाई अड्डा उतरे। वायनाड जाते समय उन्होंने भारतीय वायुसेना के हेलीकॉप्टर से भूस्खलन प्रभावित चूरलमाला, मुंडक्कई और पुंचिरीमट्टम का हवाई सर्वेक्षण किया था। हवाई सर्वेक्षण के बाद मोदी का हेलीकॉप्टर कलपेट्टा में एसकेएमजे विद्यालय में उतरा, जहां से वह सड़क मार्ग से चूरलमाला के लिए रवाना हुए।

चूरलमाला में सेना ने आपदा के बाद राहत एवं बचाव कार्यों में मदद के लिए 190 फुट लंबा पुल बनाया है। मोदी नुकसान का जायजा लेते हुए इस पुल से पैदल गुजरे।

मोदी ने एक राहत शिविर का भी दौरा किया, जहां भारी भूस्खलन के कारण विस्थापित हुए कई लोग रह रहे हैं। उन्होंने घटना से प्रभावित कुछ लोगों से बातचीत की। इनमें दो बच्चे भी शामिल थे, जिन्होंने इस आपदा में अपने प्रियजनों को खो दिया। इस आपदा में 200 से अधिक लोगों की मौत हुई है।

टीवी चैनलों पर प्रसारित दृश्यों के अनुसार, प्रधानमंत्री ने भूस्खलन प्रभावित लोगों से बात की, उनकी चिंताओं और जरूरतों को सुना तथा उन्हें सांत्वना देने की कोशिश की। मोदी ने सांत्वना देते हुए पीड़ितों के सिर और कंधों पर हाथ रखा। प्रभावित लोगों में से कई प्रधानमंत्री को अपनी आपबीती बताते हुए रोने लगे।

मोदी डॉ. मूपेन मेडिकल कॉलेज भी गए, जहां भूस्खलन में घायल हुए कई लोग भर्ती हैं। उन्होंने भूस्खलन में बचे कुछ लोगों से मुलाकात की और उन्हें हरसंभव मदद का आश्वासन दिया। समीक्षा बैठक समाप्त होने के बाद प्रधानमंत्री कलपेट्टा के एसकेएमजे विद्यालय के लिए रवाना हुए।

जयशंकर ने मुइज्जू से मुलाकात की

क्षेत्रीय समृद्धि के लिए भारत-मालदीव संबंधों की मजबूती पर जोर दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

माले/भाषा। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शनिवार को यहां मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू से मुलाकात की और दोनों देशों के लोगों के लाभ व क्षेत्रीय समृद्धि के लिए भारत-मालदीव के संबंधों को प्रगाढ़ बनाने की नई दिल्ली की प्रतिबद्धता पर जोर दिया।

जयशंकर मालदीव की तीन दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर हैं। पिछले साल चीन समर्थक मुइज्जू के पदभार ग्रहण करने के बाद यह भारत की ओर से मालदीव की पहली उच्चस्तरीय यात्रा है। विदेश मंत्री जयशंकर ने बैठक की तस्वीर साझा करते हुए 'एक्स' पर लिखा,

''राष्ट्रपति डॉ. मोहम्मद मुइज्जू से मुलाकात कर गौरवान्वित महसूस किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की शुभकामनाएं प्रेषित कीं। हमारे लोगों और क्षेत्र के लाभ के लिए भारत-मालदीव संबंधों को प्रगाढ़ बनाने के लिए प्रतिबद्धता जताई।''

इस बीच, मुइज्जू ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि जयशंकर से मुलाकात और मालदीव के 28 द्वीपों में जल व सीवर परियोजनाओं के आधिकारिक हस्तांतरण में उनका शामिल होना खुशी की बात है। उन्होंने जयशंकर से मुलाकात की तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, मैं मालदीव का हमेशा समर्थन करने के लिए भारत सरकार, विशेष रूप से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त करता हूं।

भारत के वित्तपोषण वाली जल एवं स्वच्छता परियोजनाएं मालदीव को सौंपी

माले/भाषा। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने मालदीव के 28 द्वीपों में भारत के वित्तपोषण वाली 11 करोड़ अमेरिकी डॉलर की व्यापक जल एवं स्वच्छता परियोजनाएं शनिवार को पड़ोसी देश को सौंप दीं। तीन दिन की आधिकारिक यात्रा पर यहां पहुंचे जयशंकर ने राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के कार्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम में डिजिटल माध्यम से परियोजनाओं की शुरुआत की। भारत ने एक्जिम बैंक ऑफ इंडिया के माध्यम से ऋण सुविधा के तहत मालदीव के 28 द्वीपों में जल एवं स्वच्छता परियोजनाएं शुरू की हैं।

जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग में

आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में दो सैनिक शहीद, छह घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले स्थित एक जंगल में शनिवार को आतंकवादियों के साथ हुई एक भीषण मुठभेड़ में दो सैन्यकर्मी शहीद हो गए जबकि छह अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि चुनौतीपूर्ण भौगोलिक स्थिति के बावजूद आतंकवादियों की तलाश के लिए अभियान जारी रहा। उन्होंने बताया कि यह मुठभेड़ उस समय शुरू हुई जब सुदूरवर्ती अहलान गगरमांडू जंगल में आतंकवादियों की मौजूदगी की एक सूचना मिलने के बाद घेराबंदी और तलाश अभियान शुरू किया गया था। अधिकारियों ने बताया कि गोलीबारी में दो नागरिक भी घायल हो गये। उन्होंने बताया कि यह मुठभेड़ तब शुरू हुई जब आतंकवादियों के एक समूह ने संयुक्त तलाशी दल पर गोलीबारी शुरू कर दी। दल में पैरा कमांडो सहित सेना के जवान और स्थानीय पुलिस के कर्मी शामिल थे।

अधिकारियों ने बताया कि मुठभेड़ में छह सैन्यकर्मी और दो असैन्य नागरिक घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि घायल सैनिकों को तुरंत निकटवर्ती अस्पताल ले जाया गया, जहां दो सैनिकों को मृत घोषित कर दिया गया। उन्होंने बताया कि शेष घायल कर्मियों और नागरिकों का उपचार किया जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि इलाके में अतिरिक्त बल तैनात कर दिया गया है और अंतिम सूचना मिलने तक आतंकवादियों का पता लगाने और उन्हें मार गिराने का अभियान जारी है।

बांग्लादेश के प्रधान न्यायाधीश ओबैदुल हसन, पांच अन्य न्यायाधीशों ने इस्तीफा दिया

ढाका/भाषा। बांग्लादेश के उच्चतम न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश ओबैदुल हसन ने शेख हसीना सरकार के पतन के पांच दिन बाद छात्रों के विरोध-प्रदर्शन के मद्देनजर शनिवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। न्यायमूर्ति हसन के अलावा शीर्ष अदालत की अपीलीय डिवीजन के पांच न्यायाधीशों ने भी पद से इस्तीफा दे दिया। उच्चतम न्यायालय के जनसंपर्क अधिकारी मोहम्मद शफीकुल इस्लाम ने मीडिया को बताया कि हसन के इस्तीफे के बाद अपीलीय डिवीजन के न्यायाधीश मोहम्मद अशफाकुल इस्लाम को कार्यवाहक प्रधान न्यायाधीश नियुक्त किया गया है। प्रधान न्यायाधीश (65) ने अपना निर्णय दोपहर करीब एक बजे उस समय घोषित किया, जब भेदभाव विरोधी छात्र आंदोलन के प्रदर्शनकारी अदालत परिसर में एकत्र हुए। प्रदर्शनकारी छात्रों ने हसन और अपीलीय डिवीजन के न्यायाधीशों को दोपहर एक बजे तक इस्तीफा देने का समय दिया था। नवगठित अंतरिम सरकार के कानूनी सलाहकार प्रोफेसर आसिफ नजरुल ने एक वीडियो संदेश में कहा, ''मुझे लगता है कि आपको एक खास खबर बताना जरूरी है। हमारे प्रधान न्यायाधीश ने कुछ मिनट पहले ही इस्तीफा दे दिया है। उनका त्यागपत्र कानून मंत्रालय को प्राप्त हो चुका है।'' नजरुल ने कहा कि त्यागपत्र राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन को ''आवश्यक कदम उठाने के लिए बिना किसी देरी के'' भेजा जाएगा और उन्हें उम्मीद है कि यह प्रक्रिया बहुत जल्द पूरी हो जाएगी। इस घोषणा के कुछ ही घंटों बाद शीर्ष अदालत के रजिस्ट्रार जनरल अजीज अहमद भुइयां ने संवाददाताओं को बताया कि उच्चतम न्यायालय के पांच अन्य न्यायाधीशों ने कानून मंत्रालय के माध्यम से राष्ट्रपति को अपना इस्तीफा सौंप दिया।

सेबी प्रमुख माधवी बुच के पास अदाणी घोटाले के अस्पष्ट ऑफशोर फंड में थी हिस्सेदारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अमेरिकी शॉर्ट-सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च ने शनिवार को बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) की प्रमुख माधवी बुच के खिलाफ एक नया हमला किया।

हिंडनबर्ग ने आरोप लगाया कि सेबी की अध्यक्ष बुच और उनके पति के पास कथित अदाणी धन हेराफेरी घोटाले में इस्तेमाल किए गए अस्पष्ट ऑफशोर फंड में हिस्सेदारी थी।

हिंडनबर्ग ने सेबी प्रमुख पर लगाया आरोप

हिंडनबर्ग ने अदाणी पर अपनी पिछली रिपोर्ट के 18 महीने बाद एक ब्लॉगपोस्ट में आरोप लगाया, सेबी ने अदाणी के मॉरीशस और ऑफशोर शेल संस्थाओं के कथित अघोषित जाल में आश्चर्यजनक रूप से रुचि नहीं दिखाई है।

शॉर्ट-सेलर ने (मामले से पर्दा उठाने वाले) व्हिसलब्लोअर दस्तावेजों का हवाला देते हुए कहा, सेबी की वर्तमान प्रमुख माधवी बुच और उनके पति के पास अदाणी धन हेराफेरी घोटाले में इस्तेमाल किए गए दोनों अस्पष्ट ऑफशोर फंड में हिस्सेदारी थी।

कथित तौर पर समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी के बड़े भाई विनोद अदाणी अस्पष्ट ऑफशोर बरमूडा और मॉरीशस फंडों को नियंत्रित करते थे। हिंडनबर्ग का आरोप है कि इन फंडों का इस्तेमाल धन की हेराफेरी करने और समूह के शेयरों की कीमत बढ़ाने के लिए किया गया था।

हिंडनबर्ग ने अपनी ताजा रिपोर्ट में कहा, आईआईएफएल में एक प्रधान के हस्ताक्षर वाले फंड की घोषणा में कहा गया है कि निवेश का स्रोत 'वेतन' है और दंपति की कुल संपत्ति एक करोड़ अमेरिकी डॉलर आंकी गई है।

रिपोर्ट में आगे आरोप लगाया गया है, दस्तावेजों से पता चलता है कि हजारों मुख्यधारा के प्रतिष्ठित भारतीय म्यूचुअल फंड उत्पादों के होने के बावजूद, एक उद्योग जिसका अब वह विनियमन करने के लिए जिम्मेदार है, सेबी की चेयरपर्सन माधवी बुच और उनके पति के पास अल्प परिसंपत्तियों के साथ एक बहुस्तरीय ऑफशोर फंड संरचना में हिस्सेदारी थी।

बांग्लादेश से होने वाली घुसपैठ चिंता का विषय : बीरेन सिंह

इंफाल/भाषा। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने शनिवार को कहा कि बांग्लादेश में अशांति के मद्देनजर पड़ोसी मुल्क से होने वाली घुसपैठ चिंता का विषय है और उनकी सरकार ने इसे रोकने के लिए कुछ जिलों में रात्रि कर्फ्यू लगाया है।

सिंह ने यहां संवाददाताओं से कहा, मैं विदेश मंत्रालय के संपर्क में हूं। जहां तक हमारी सुरक्षा का सवाल है, हमने घुसपैठ को रोकने के लिए फेरजावल और जिरीबाम जिलों में रात्रि कर्फ्यू लगा दिया है।

बांग्लादेश में सोमवार को हसीना सरकार के पतन के बाद भड़की देशव्यापी हिंसा में 230 से अधिक लोगों की मौत हो गयी। वहीं जुलाई के मध्य में आरक्षण विरोधी प्रदर्शनों के शुरू होने के बाद से 560 लोगों ने अपनी जान गंवाई।

मुख्यमंत्री, केंद्र की 'हर घर तिरंगा' पहल के उपलक्ष्य में आयोजित एक समारोह को संबोधित कर रहे थे। सिंह ने कहा, मैं सभी विधायकों से स्वतंत्रता दिवस पर मणिपुर के विभिन्न राहत शिविरों में दोपहर का भोजन आयोजित करने और वहां रह रहे लोगों से बातचीत कर उनकी समस्याओं और शिकायतों का समाधान करने की अपील करता हूं।

विनेश की अपील पर आज शाम को फैसला सुनाएगा खेल पंचाट

पेरिस/भाषा। खेल पंचाट (कैस) का तदर्थ प्रभाग ओलंपिक महिला 50 किलो फ्रीस्टाइल कुश्ती के फाइनल से पहले अयोग्य करार दी गई भारतीय पहलवान विनेश फोगाट की अपील पर फैसला अब एक दिन बाद रविवार को सुनायेगा । मामले पर फैसला पहले शनिवार की शाम को ही आना था । आईओए ने एक बयान में कहा ,'' कैस के तदर्थ विभाग ने एकल पंच डॉक्टर अनाबेल बेनेट द्वारा विनेश फोगाट बनाम युनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग बनाम अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के मामले पर फैसला लिये जाने के लिये समय सीमा एक दिन बढाकर 11 अगस्त 2024 शाम छह बजे तक कर दी है ।'' इसमें कहा गया ,'' मामले पर विस्तार से फैसला बाद में जारी किया जायेगा।'' आईओए के सूत्र के अनुसार फैसला 13 अगस्त को ही सार्वजनिक किया जायेगा । पेरिस ओलंपिक का समापन समारोह 11 अगस्त को है । मामले की सुनवाई शुक्रवार को समाप्त हुई जिसमें कैस ने विनेश की अपील स्वीकार कर ली थी ।

11-08-2024 सूर्यास्त 6:42 बजे	12-08-2024 सूर्योदय 6:07 बजे

BSE	NSE
79,705.91 (+819.69)	24,367.50 (+250.50)

सोना	चांदी
7,217 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	82,509 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

खीझिए मत

आए कितने ही आक्रांता,
क्या बदला सब परिवेश कहो।
बदली कितनी ही फैशन पर,
क्या बदला देशी भेष कहो।
कितने दल आए और गए,
बदले क्या सब आदेश कहो।
इक दल के आ जाने से ही,
कैसे बदला यह देश कहो।।

सहज स्मृति योग

व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं guruji@darpanfoundation.com पर ईमेल या व्हाटस अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

प्रश्न: गुरुजी, आपने सत्संग में यह कहा है कि आप कुछ बोलना नहीं चाहते थे ऐसा क्यों? पर, आप बोलते तो हैं ही, ऐसा क्यों ?

उत्तर: हमने ये कहा है और अभी भी बारम्बार यही कहते हैं कि जो भी यहाँ आऐं उन सबको हम ध्यान में प्रवृत्त कराना चाहते हैं अधिक कुछ बोलना नहीं चाहते और ऐसा इसलिए है ताकि अपने अनुभव के आधार पर वे स्वयं प्रमाण हो जाएँ।पर,अधिकांश जो आते हैं वे कुछ बोलते हैं और कुछ बुलवाते हैं इसलिए हम बोलते हैं। जो आवश्यक मात्रा में बोलते हैं वे ध्यान में प्रवृत हो जाते हैं और परिणामस्वरूप उनकी चित्त वृत्तियों का शमन और निरोध होने लगता है। जिससे वही परिणाम वे सब स्वयं होते चले जाते हैं।बोलना ही अनावश्यक हो ऐसा नहीं है।बस, अनावश्यक बोलना आवश्यक नहीं है। क्योंकि हम अनावश्यक बोलते हैं उसका जो परिणाम होता है वही परिणाम हम स्वयं होते चले जाते हैं।जो कहा इसी संदर्भ में वह कहा जाता है।

बैंक मुख्य कारोबार पर ध्यान दें, जमा जुटाने को आकर्षक उत्पाद लाएं : निर्मला सीतारमण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

आईएफएससी में सरकारी हरित बॉन्ड कारोबार दूसरी छमाही में होगा शुरू : दास

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकान्त दास ने शनिवार को कहा कि चालू वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में गुजरात स्थित अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र में सरकारी हरित बांड कारोबार शुरू हो सकता है। दास ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''हम अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र (आईएफएससी) के साथ चर्चा कर रहे हैं। इसे जल्द ही चालू किया जाएगा। मुझे लगता है कि चालू वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में यह शुरू हो जाएगा।'' उल्लेखनीय है कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने घोषणा की थी कि वह गिफ्ट सिटी में सरकारी हरित बॉन्ड के कारोबार को सुगम बनाने के लिए एक रूपरेखा जारी करेगा।

नई दिल्ली/भाषा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को बैंकों से अपने मुख्य कामकाज पर ध्यान देने और जमा आकर्षित करने के लिए नई और आकर्षक योजनाएं लाने को कहा। उन्होंने कहा कि घरेलू बचत तेजी से अन्य निवेश उत्पादों में जा रही हैं, ऐसे में इस पर ध्यान देने की जरूरत है।

भारतीय रिजर्व बैंक के निदेशक मंडल की बैठक को संबोधित करने के पश्चात सीतारमण ने संवाददाताओं से कहा, ''आरबीआई और सरकार, दोनों बैंकों से अपनी मुख्य कारोबारी गतिविधियों पर ध्यान देने को कह रहे हैं...उन्हें आक्रामक रूप से जमा प्राप्त करने और फिर कर्ज देने पर ध्यान देना चाहिए। यह बैंकों का मुख्य कारोबारी गतिविधियां हैं।'' वित्त मंत्री परंपरागत रूप से बजट बाद आरबीआई के निदेशक मंडल की बैठक को संबोधित करती हैं। कर्ज और जमा वृद्धि में अंतर है, ऐसे में बैंकों को जमा प्राप्त करने पर ध्यान देना चाहिए। सीतारमण ने कहा, ''आरबीआई ने उन्हें ब्याज दर के प्रबंधन में कुछ स्वतंत्रता दी है। उस स्वतंत्रता का उपयोग करते हुए, उन्हें जमा को आकर्षक बनाना चाहिए। नये-नये उत्पाद लाने चाहिए और जमा जुटाना चाहिए।'' उन्होंने बैंक अधिकारियों से बड़े या थोक जमा के बजाय छोटे बचतकर्ताओं पर ध्यान केंद्रित करने का भी आग्रह किया। आरबीआई के गवर्नर शक्तिकान्त दास ने भी कहा, ''हम जमा और कर्ज वृद्धि के बीच लगभग तीन से चार प्रतिशत का अंतर देख रहे हैं। इसमें जमा कम है।'' उन्होंने कहा, ''कर्ज अब डिजिटल रूप से दिया जा रहा है, जबकि जमा के साथ ऐसा नहीं है और यह एक महत्वपूर्ण बदलाव है। इसीलिए बैंकों को जमा प्राप्त करने के लिए अनूठे उत्पाद पर ध्यान देना चाहिए।'' दास कहा, ''कर्ज और जमा का अनुपात बढ़ा है। कासा (चालू खाता और बचत खाता) जमा, कुल जमा का घटकर 39 प्रतिशत पर आ गया है जो एक साल पहले 43 प्रतिशत था। दूसरी तरफ कर्ज बढ़ा है।'' उन्होंने यह भी कहा कि फिलहाल समस्या जैसी काई बात नहीं है। लेकिन इस पर ध्यान देने की जरूरत है और नहीं दिया गया तो नकदी प्रबंधन की समस्या हो सकती है। दास ने कहा कि बैंकों को नये तरीकों और उत्पादों के माध्यम से जमा जुटाने के लिए अपने विशाल शाखा नेटवर्क का लाभ उठाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि ब्याज दरें नियंत्रण मुक्त हैं और बैंक प्राय: पैसा जुटाने के लिए जमा दरें बढ़ाते हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या जमा वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए किसी नीतिगत हस्तक्षेप की आवश्यकता है, दास ने कहा, ''देश में ब्याज दर नियंत्रण मुक्त है और यदि आप जमा और कर्ज को विनियमित करने पर वापस आते हैं, तो यह प्रतिगामी हो सकता है और बाजार को विकृत कर सकता है।'' आरबीआई गवर्नर ने इसी सप्ताह द्विमासिक मौद्रिक नीति की घोषणा करते हुए बैंक क्षेत्र में जमा-कर्ज के बीच अंतर पर चिंता व्यक्त की थी।

बुरे का फल बुरा और अच्छे का फल अच्छा है : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

आचार्यश्री की निश्रा में तीसरा जागरण सेमिनार आज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। शहर के नजरबाद स्थित बुद्धि-वीर वाटिका के पंडाल में जैनधर्म के बावीसवें तीर्थंकर नेमिनाथ के दीक्षा कल्याणक के अवसर पर आयोजित विशेष समारोह में बोलते हुए जैनाचार्य विमलसागरजी ने कहा कि हकीकत यह है कि हमारा मन, हमारी इच्छा-तृष्णाएं हमारे नियंत्रण में नहीं हैं। हम अपने मन को, यानी स्वयं को दोष देना नहीं चाहते। हम स्वयं को बदले बिना चमत्कार चाहते हैं। हम समय से पहले और भाग्य से अधिक सुख-सुविधाएं चाहते हैं। हम कम मेहनत में अधिक सफलताएं चाहते हैं। जितना भोग-उपभोग में हमें रस है, उतना योग में नहीं है। धर्म से ज्यादा अधर्म में हमारी रुचि है। हम स्वास्थ्य तो अच्छा चाहते हैं, पर उस तरह अपना खानपान, रहन-सहन, जीवनचर्या बदलना नहीं चाहते।

आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि मन की यह कमजोरी है कि वह अच्छाईयों के प्रति अधिक आकृष्ट नहीं होता, जबकि बुराईयों के प्रति उसका ढलान ज्यादा होता है। जब तक मन की इन कुटिलताओं और कमजोरियों को समझने और उन्हें दूर करने के प्रयत्न नहीं होंगे, तब तक हमारा भला नहीं हो सकता। कोई भगवान, गुरु और धर्म हमारा उद्धार नहीं कर सकते, क्योंकि हम अपने उद्धार के लिए यथार्थ के धरातल पर आना नहीं चाहते। हम अपने दु:ख या परेशानियों का ठीकरा भगवान, गुरु, धर्म, समाज या व्यवस्थाओं पर फोड़कर वास्तविकताओं से पलायन करना चाहते हैं। हम मानते और कहते रहते हैं कि वे हमारे दु:ख दूर नहीं कर रहे, वे अब ताकतवर या असरकारक नहीं हैं।

आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने जोर देकर आगे कहा कि मुझे कोई बीमारी, महामारी, दुष्काल, गरीबी, भुखमरी, बाढ़, भूस्खलन में मृत्यु, वाहनों की दुर्घटनाएं, अग्निकांड आकस्मिक और आश्चर्यकारक नहीं लगते। यह सब कर्मवाद और प्रकृति की सही व्यवस्था है। बुरे का फल बुरा और अच्छे का फल अच्छा है। प्रकृति की व्यवस्था में देर हो सकती है, अंधेर नहीं है।

आज नहीं तो कल, सबका न्याय होना है। कल्याण मित्र वर्षावास समिति के कांतिलाल चौहान ने बताया कि तीसरा जागरण सेमिनार रविवार को प्रातः 9.30 बजे आयोजित होगा। प्रवेश-पत्र धारक 16 वर्ष से बड़े करीब अठारह सौ युवक-युवतियां इसमें भाग ले रहे हैं। धर्म के नाम पर अतिरेक, साम्प्रदायिक मानसिकता, सामाजिक विषमताएं, पारिवारिक समस्याएं, राजनीतिक विकटताएं, आर्थिक परेशानियां जैसे विषयों पर मनोवैज्ञानिक विश्लेषण होगा।

तेलंगाना सरकार वादों का सम्मान नहीं करती है तो 'अमारा राजा' अन्यत्र जा सकती है: जयदेव गल्ला

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना की कांग्रेस सरकार की वित्तीय स्थिति पर चिंता प्रकट करते हुए 'अमारा राजा एनर्जी एंड मोबिलिटी' के अध्यक्ष जयदेव गल्ला ने शनिवार को कहा कि यदि वह पिछली भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) सरकार द्वारा किये गये वादों का सम्मान नहीं करती है, तो उन्हें अपने संयंत्र की क्षमता विस्तार के लिए अन्यत्र देखना पड़ सकता है। गल्ला का बयान ऐसे समय में आया है जब मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी और उनकी टीम तेलंगाना को एक निवेश गंतव्य के रूप में पेश करने की कोशिश में अमेरिका दौरे पर है।

इससे पहले दिन में, अमारा राजा ग्रुप ने सेल/बैटरी विनिर्माण से जुड़े अपने संयंत्र के लिए शिलान्यास समारोह आयोजित किया और महबूबनगर जिले में 1.5 गीगावाट प्रति घंटा के बैटरी पैक संयंत्र के प्रथम चरण का उद्घाटन किया। इस बैटरी निर्माता कंपनी ने तेलंगाना में लिथियम-आयन बैटरी के निर्माण के लिए अनुसंधान एवं विकास और एक ग्रीनफील्ड विनिर्माण सुविधा केंद्र स्थापित करने के लिए 10 वर्षों में 9,500 करोड़ रुपए के निवेश के लिए पिछली बीआरएस सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए थे।

गल्ला ने याद दिलाया कि पिछली सरकार ने इस परियोजना को तेलंगाना में लाने के लिए औद्योगिक प्रोत्साहन के संदर्भ में कुछ वादे किये थे और उम्मीद जताई कि वर्तमान सरकार उनका सम्मान करेगी। उन्होंने कहा, ''संदेह यह है कि अब सरकार अलग है और जब तक हम इसे वास्तव में (अमल) होते हुए नहीं देख लेते हैं, तब तक हमें पता नहीं चलेगा। इसलिए हम आशावान हैं, लेकिन मुझे लगता है कि सरकार की वित्तीय स्थिति ही सवालों के घेरे में है, कि क्या वे इन चीजों (औद्योगिक प्रोत्साहनों) का भुगतान करने में समर्थ हैं। यह सरकार की मंशा की बात नहीं है। (लेकिन)क्या उनके पास धन है? क्या उनके पास उन प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिए संसाधन हैं?''

राकांपा के एजेंडे में महिला कल्याण, विकास और गरीबी उन्मूलन शामिल है: अजित पवार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिरडी/भाषा। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने शनिवार को कहा कि महिला कल्याण, विकास और गरीबी उन्मूलन उनकी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के एजेंडे में शामिल है। उन्होंने ने कहा कि उनको लोगों से अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है।

अपनी पार्टी की 'जन सम्मान यात्रा' के तीसरे दिन यहां प्रतिष्ठित साईं बाबा मंदिर में पूजा-अर्चना करने के बाद संवाददाताओं से बातचीत में उन्होंने विपक्षी नेता शरद पवार को लेकर 'भटकती आत्मा' और 'भ्रष्टाचार के सरगना' संबंधी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की टिप्पणियों से जुड़े सवालों को टाल दिया। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि उनका उद्देश्य पिछले महीने विधानसभा में उनके द्वारा पेश बजट में घोषित कल्याणकारी योजनाओं को सामने लाना है। उन्होंने कहा, महिला कल्याण, विकास और गरीबी उन्मूलन राकांपा के प्रमुख मुद्दे हैं। मुझे लोगों से अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान भटकती आत्मा संबंधी टिप्पणी की थी जबकि केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने पुणे में भाजपा सम्मेलन के दौरान शरद पवार को भ्रष्टाचार का सरगना कहा था। राकांपा प्रमुख ने कुछ हलकों से आ रहे उन दावों को भी खारिज कर दिया कि शरद पवार द्वारा स्थापित पार्टी को विभाजित करने और शिंदे-भाजपा गठबंधन के साथ आने के अपने फैसले से पहले वह शाह और अन्य भाजपा नेताओं से मिलने के लिए भेष बदलकर दिल्ली गए थे।

गडकरी ने पंजाब सरकार से कहा, कानून-व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ तो बंद कर देंगे राजमार्ग परियोजनाएं

नई दिल्ली/भाषा। पंजाब में अगर कानून-व्यवस्था की स्थिति में सुधार नहीं हुआ तो एनएचएआई के पास राज्य की आठ राजमार्ग परियोजनाओं को रद्द या बंद करने के अलावा कोई विकल्प नहीं होगा। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को लिखे पत्र में यह चेतावनी दी है। इन परियोजनाओं की कुल लंबाई 293 किलोमीटर है और लागत 14,288 करोड़ रुपए है। गडकरी ने कहा कि उन्हें दिल्ली-कटरा एक्सप्रेसवे परियोजनाओं पर हाल में हुई दो घटनाओं के बारे में जानकारी दी गई है। उन्होंने नौ अगस्त को लिखे अपने पत्र में कहा, ''जालंधर जिले में एक घटना में ठेकेदार के इंजीनियर पर बेरहमी से हमला किया गया। हालांकि, इस संबंध में एफआईआर दर्ज की गई है, लेकिन अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जरूरत है।'' मंत्री ने लुधियाना जिले में एक और घटना की ओर इशारा किया, जहां दिल्ली-कटरा एक्सप्रेसवे के ठेकेदार के परियोजना कैंप पर उपद्रवियों ने हमला किया और इंजीनियरों को धमकी दी। इस घटना में एनएचएआई अधिकारियों के लिखित अनुरोध के बावजूद अभी तक एफआईआर दर्ज नहीं की गई है और उपद्रवियों को गिरफ्तार नहीं किया गया है। गडकरी ने कहा, ''यदि स्थिति में सुधार नहीं होता है, तो एनएचएआई के पास 14,288 करोड़ रुपए की लागत और 293 किलोमीटर की कुल लंबाई वाली आठ अन्य गंभीर रूप से प्रभावित परियोजनाओं को रद्द/ बंद करने के अलावा कोई विकल्प नहीं होगा।''

एमवीए सरकार के दौरान मुझे झूठे मामलों में फंसाने के लिए अधिकारियों को सुपारी दी गई थी: फडणवीस

नागपुर/भाषा। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शनिवार को आरोप लगाया कि पिछली महा विकास आघाडी (एमवीए) सरकार के दौरान उन्हें और भाजपा के दूसरे नेताओं को झूठे मामलों में फंसाने व जेल में डालने के लिए कुछ अधिकारियों को ठेका दिया गया था। उन्होंने नागपुर में कहा कि उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली एमवीए सरकार उन्हें और भाजपा के दूसरे नेताओं को जेल में डालने में विफल रही थी क्योंकि कई अच्छे अधिकारियों ने उनके खिलाफ झूठे मामले दर्ज करने से इनकार कर दिया था। फडणवीस मुंबई के पूर्व पुलिस आयुक्त परमबीर सिंह के आरोपों के बारे में पूछे जाने पर प्रतिक्रिया दे रहे थे। सिंह ने आरोप लगाया था कि राज्य के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख ने उनपर भाजपा के कई नेताओं के खिलाफ झूठे मामले दर्ज करने का दबाव डाला था। उन्होंने कहा, उन्होंने (सिंह) कहा कि मुझे और भाजपा के दूसरे नेताओं को गिरफ्तार करने की कोशिश की जा रही थी, यह बात पूरी तरह सच है।

कांग्रेस ने इस्पात संयंत्रों की निजीकरण कोशिश को लेकर सरकार की आलोचना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने इस्पात संयंत्रों के निजीकरण की कोशिश को लेकर बुधवार को सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि देश के औद्योगिक आधार का 'दम घुट' रहा है तथा केंद्रीय इस्पात मंत्री एच डी कुमारस्वामी इसका हिस्सा हैं।

कांग्रेस महासचिव (प्रभारी-संचार) जयराम रमेश ने राज्यसभा में कुमारस्वामी द्वारा दिये गये जवाब का हवाला दिया। रमेश ने 'एक्स' पर कहा, ''कल राज्यसभा में इस्पात मंत्री ने खुलासा किया कि मोदी सरकार ने चार इस्पात संयंत्रों का निजीकरण की कोशिश की और विफल रही तथा अब वह दो अन्य के निजीकरण की कोशिश कर रही है।'' उन्होंने दलील दी कि इन छह निजीकरण में एक भी आवश्यक नहीं है। रमेश ने कहा कि हालांकि सार्वजनिक क्षेत्र के ये उपक्रम अभी निष्क्रिय अवस्था में हैं और अनिश्चित समय तक निष्क्रिय रहेंगे। कांग्रेस ने कहा, ''सरकार इनमें निवेश नहीं करेगी - वाकई, इस बात के प्रमाण हैं कि सरकार वास्तव में इन इकाइयों को घाटे में धकेलने और निजीकरण के मामले को मजबूत करने के लिए व्यवस्थित रूप से इनका गला घोंटने की कोशिश कर रही है।''

हिमाचल प्रदेश के कई हिस्सों में भारी बारिश, 120 से अधिक सड़कें बंद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिमला/भाषा। हिमाचल प्रदेश के कई हिस्सों में भारी बारिश हुई और भूस्खलन तथा अचानक आई बाढ़ के कारण राज्य में 128 सड़कें बंद रहीं। अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी।

स्थानीय मौसम कार्यालय ने शनिवार को अलग-अलग स्थानों पर हुई अत्याधिक बारिश के लिए 'ऑरेंज अलर्ट' तथा 16 अगस्त तक भारी वर्षा के 'येलो अलर्ट' जारी किया है। राज्य के कई हिस्सों में भारी बारिश हुई और शुक्रवार शाम से नाहन (सिरमौर) में सबसे अधिक 168.3 मिमी बारिश दर्ज की गई, इसके बाद संधोल में 106.4 मिमी, नगरोटा सूरियां में 93.2 मिमी, धौलाकुआं में 67 मिमी, जुब्बरहट्टी में 53.2 मिमी और कण्डाघाट में 45.6 मिमी बारिश हुई। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार बारिश के कारण 44 बिजली और 67 जलापूर्ति योजनाएं बाधित हुई हैं। मौसम विभाग ने रविवार सुबह तक मंडी, सिरमौर, शिमला और कुल्लू जिले के अलग-अलग हिस्सों में हल्के से मध्यम स्तर की बाढ़ का खतरा होने की चेतावनी भी दी है। मौसम विभाग ने तेज हवाओं और निचले इलाकों में जलभराव के कारण बागानों, खड़ी फसलों और कच्चे मकानों को नुकसान पहुंचने की भी आशंका जताई है। हमीरपुर जिले में शनिवार को अत्याधिक बारिश के लिए 'ऑरेंज अलर्ट' के मद्देनजर हमीरपुर के उपायुक्त अमरजीत सिंह ने निवासियों से सावधानी बरतने और नदियों व नालों के पास जाने से बचने की अपील की है। उन्होंने लोगों से खराब मौसम में पेड़ों के नीचे शरण न लेने और बिजली के तारों से सुरक्षित दूरी बनाए रखने को भी कहा। अधिकारियों ने बताया कि 27 जून से नौ अगस्त के बीच बारिश से संबंधित घटनाओं में 100 से अधिक लोग मारे गए हैं और राज्य को लगभग 842 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है।

प्रधानमंत्री आईसीएआर द्वारा विकसित बीजों की 109 किस्मों को जारी करेंगे : कृषि मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रविवार को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) द्वारा विभिन्न जलवायु क्षेत्रों के लिए विकसित किए गए 109 बीजों की किस्मों को जारी करेंगे।

चौहान ने शनिवार को बताया कि इनमें अनाज की 23 किस्में, चावल की नौ, गेहूं की दो, जौ की एक, मक्का की छह, ज्वार की एक, बाजरा की एक, रागी की एक, चीना की एक, सांबा की एक, अरहर की दो, चना की दो, मसूर की तीन, मटर की एक, मूंग की दो, तिलहन की सात, चारा और गन्ना की सात-सात, कपास की पांच, जूट की एक और बागवानी की 40 किस्में शामिल हैं। उन्होंने कहा, देश के वैज्ञानिकों ने शोध कर धान की ऐसी किस्म खोजी है, जो अधिक उत्पादन देती है और इसे 20 प्रतिशत कम पानी की जरूरत होती है। कीटों का प्रकोप कम करने के लिए भी प्रयास किए गए हैं। प्रयोगशाला से लेकर खेत तक विज्ञान सीधे किसान तक पहुंचना चाहिए। कृषि मंत्री ने कहा, संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग)की सरकार में कृषि बजट 27,000 करोड़ रुपए हुआ करता था, जो अब संबद्ध क्षेत्रों सहित 1.52 लाख करोड़ रुपए का हो गया है। पिछले साल उर्वरकों पर 1.95 लाख करोड़ रुपए की सब्सिडी दी गई थी। इस साल 1.70 लाख करोड़ रुपए की सब्सिडी का प्रावधान है, जो खपत बढ़ने पर और बढ़ जाएगी। चौहान ने कहा कि इस साल 2,625 करोड़ रुपए का विशेष पैकेज दिया गया है, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों के कारण उर्वरक ले जाने वाले जहाजों को लंबा और अधिक समय लेने वाला रास्ता अपनाना पड़ता है। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि विशेष पैकेज की घोषणा यह सुनिश्चित करने के लिए की गई है कि किसानों पर बोझ न पड़े। उन्होंने कहा कि कृषि अर्थव्यवस्था का करीब 17 प्रतिशत हिस्सा है, जबकि यह करीब 50 प्रतिशत आबादी को रोजगार देता है। उन्होंने कहा कि किसान न केवल सबसे बड़ा उत्पादक है, बल्कि सबसे बड़ा उपभोक्ता भी है। उन्होंने कहा, कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और किसान इसकी आत्मा है। जब किसान कुछ खरीदता है, तो उससे सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) बढ़ती है। प्रधानमंत्री के लिए किसान सर्वोच्च प्राथमिकता हैं।

भारत में 10,000-20,000 रुपए कीमत वाले स्मार्टफोन का दबदबा: इन्फिनिक्स इंडिया सीईओ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। देश के स्मार्टफोन उद्योग में 10,000-20,000 रुपए की कीमत वाले मोबाइल फोन का दबदबा है, जो कुल बाजार आकार का 40 प्रतिशत से अधिक है। इन्फिनिक्स इंडिया के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अनीश कपूर ने यह बात कही है।

कपूर ने कहा कि हाल के दिनों में 5जी सक्षम हैंडसेट की मांग बढ़ी है और 10,000 रुपए से 20,000 रुपए के बीच की कीमत वाले डिवाइस की मांग अधिक देखी जा रही है, जबकि पहले 10,000 रुपए से कम कीमत वाले डिवाइस बाजार में छाए रहते थे। कपूर बृहस्पतिवार को कंपनी के लेटेस्ट स्मार्टफोन नोट 40एक्स 5जी को बाजार में उतारने के लिए लखनऊ में थे। उन्होंने कहा कि पिछले दो वर्षों से बाजार में जो ठहराव था, वह बदल गया है और बाजार एक बार फिर से बढ़ने लगा है।

कपूर ने पीटीआई-भाषा से कहा, पहले भारत में 10,000 रुपए से कम कीमत वाले फोन का बाजार पर दबदबा था और यह करीब 35 से 40 फीसदी था। अब, प्रमुख बाजार 10,000 से 20,000 रुपए की कीमत वाले मोबाइल फोन के पास चला गया है, जो करीब 43 फीसदी है। उन्होंने इस नए रुझान का श्रेय उन्नत सुविधाओं और नवीनतम तकनीक के प्रति उपयोगकर्ताओं की प्राथमिकता को दिया। कपूर ने कहा, हम यह भी देख रहे हैं कि 5जी तकनीक के आने के बाद हर कोई 5जी फोन चाहता है। 5जी तकनीक की मांग बढ़ गई है। फिलहाल 5जी फोन की कीमत 10,000 से 11,000 रुपए से शुरू है। उन्होंने कहा, उत्तर प्रदेश हमारे लिए ऑनलाइन और ऑफलाइन, दोनों ही दृष्टि से सबसे बड़े बाजारों में से एक है, और एक ब्रांड के रूप में हमारे लिए प्रतिक्रिया अभूतपूर्व रही है।

येडीयुरप्पा के बारे में हल्की बातें करना बंद करें, अपनी लूट स्वीकार करें और इस्तीफा दें : विजयेंद्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। येडीयुरप्पा के बारे में हल्की बातें करना बंद करें। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने मुख्यमंत्रियों को अपनी सीटें बरकरार रखने के लिए काम करने की चुनौती दी। आज उन्होंने कांग्रेस सरकार के घोटालों की निंदा करने के लिए बीजेपी-जेडीएस द्वारा आयोजित मैसूरु चलो पदयात्रा के समापन समारोह में बात की। उन्होंने मांग की कि येडीयुरप्पा का राजनीतिक संन्यास वापस लिया जाना चाहिए। उन्होंने मांग की कि मुख्यमंत्री हजारों करोड़ रुपये की लूट स्वीकार करें और इस्तीफा दें। विजयेन्द्र ने सिद्दरामय्या से सवाल किया कि अगर मुडा घोटाले में 5 हजार करोड़ की हेराफेरी नहीं हुई तो आप सदन से क्यों भाग गये? मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री ने विपक्ष को क्यों दी धमकी? घोटालों के बारे में आरोप लगाने से पहले वाल्मिकी ने कॉरपोरेट घोटाले, मुदा घोटाले के विवरण की मांग की। उन्होंने पूछा कि क्या आप अब भी येडीयुरप्पा को देखकर डर रहे हैं। येडीयुरप्पा के सीएजी के खिलाफ एफआईआर पर उन्होंने कहा कि उन्होंने एक चाल चली है।

यह लड़ाई सिद्दरामय्या के खिलाफ नहीं है; उन्होंने कहा कि हमारी लड़ाई सिर्फ भ्रष्ट मुख्यमंत्रियों के खिलाफ नहीं है, बल्कि भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावादी कांग्रेस सरकार के खिलाफ भी है। मैसूरु में निंगा की जमीन अवैध रूप से खरीदी गई और सिद्दरामय्या की श्रीमती को दे दी गई। उन्होंने कहा कि हमारा संघर्ष जारी रहेगा। उन्होंने घोषणा की कि हमारे संघर्ष को दबा पाना किसी के लिए भी असंभव है। उन्होंने पदयात्रा में भाग लेने वाले सभी लोगों को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि जब तक भ्रष्ट कांग्रेस सरकार नहीं हटेगी तब तक संघर्ष जारी रहेगा। उन्होंने सरकार पर आरोप लगाया कि आपके पास गरीबों और किसानों की रक्षा करने की इच्छा शक्ति नहीं है। मकान गिरने पर हमारी भाजपा सरकार ने 5 लाख दिये थे। इस सरकार ने 1 लाख देने का ऐलान किया है। लेकिन, वह भी नहीं दिया गया। आंगनबाडी कार्यकर्ताओं को दो माह से मानदेय नहीं मिला है। राज्य में 15 माह में किसी नई विकास परियोजना की घोषणा नहीं की गयी। कांग्रेस की मनहूस सरकार आने के बाद एक तरफ भयंकर सूखा पड़ा; क्या 1500 किसानों ने आत्महत्या नहीं की? उन्होंने पूछा कि क्या यही आपकी रोल मॉडल सरकार है। सिद्दरामय्या का समाजवादी मुखौटा उतर गया है। आपने हमारे संघर्ष को दबाने के लिए पुलिस का इस्तेमाल किया। सत्र में वाल्मिकी ने आपत्ति जताते हुए कहा कि निगम के घोटाले, मुडा के घोटाले पर चर्चा के लिए वे आगे आए और स्थायी नोटिस पेश किया, तो उन्होंने विपक्ष के कानों में फूल लगाने का काम किया है। गत 3 अगस्त से शुरु हुई मैसूरु चलो पदयात्रा सफल रहीहै।

बेंगलूरु मैसूरु पदयात्रा का हुआ समापन

ताकत है तो विधानसभा भंग कर चुनाव कराएं : येडीयुरप्पा

पूर्व मुख्यमंत्री, वरिष्ठ नेता बी.एस. येडीयुरप्पा ने मैसूरु में सभा को संबोधित करते हुए मांग की कि अगर आपके पास ताकत है तो विधानसभा भंग करें और चुनाव के लिए आएं। उन्होंने विश्वास के साथ कहा कि राज्य में एनडीए सत्ता में आएगी। सिद्दरामय्या ने मुझे चुनौती दी कि मैं आखिरी सांस तक राजनीति में रहूंगा और तुम्हें घर भेजूंगा। यह सरकार दिवालियापन है। उन्होंने आलोचना की कि आप दिवालिया अवस्था में अपनी बात कहते हैं। उनके हल्के शब्दों पर डीके शिवकुमार ने आपत्ति जताई। शिवकुमार के पाप की टोकरी भरती जा रही है। आपको अपने भविष्य के बारे में सोचने की चुनौती दी गई है। राज्य में विकास कार्य रुक गये हैं। उन्होंने कहा कि सिंचाई परियोजना बंद कर दी गयी है। उन्होंने कहा कि यहां लूट-खसोट वाले मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री हैं। उन्होंने सरकारी घोटालों पर एक किताब का विमोचन भी किया।

कुमारस्वामी ने कांग्रेस को आड़े हाथों लिया

केंद्रीय मंत्री, जेडीएस प्रदेश अध्यक्ष एच.डी. कुमारस्वामी से बात करते हुए शिवकुमार ने कहा कि वह सिद्दरामय्या के प्रबल समर्थक हैं। उसने मुझसे कहा कि मेरा उस चट्टान पर भरोसा करना ग़लत था। उन्होंने सवाल किया कि कांग्रेस ने विधानसभा चुनाव में 136 सीटें और लोकसभा चुनाव में 8 सीटें क्यों जीतीं। हालांकि, उन्होंने कहा कि उन्हें पता है कि उन्हें 9वां स्थान कैसे मिला। कुमारस्वामी के निर्देशानुसार वीसीपी और टीवी के माध्यम से लोगों के सामने एक वीडियो पेश किया गया जिसमें दिखाया गया कि डीके शिवकुमार ने बीएफ और जीएफ के जरिए पैसा कमाया। डीके शिवकुमार द्वारा कोतवाल रामचन्द्र के हाथ-पैर दबाने का जानकारीपूर्ण वीडियो भी दिखाया गया। शिवकुमार के तिहाड़ जेल में शामिल होने की जानकारी एक वीडियो के जरिए लोगों के सामने पेश की गई। एक दलित परिवार के साथ भी बलात्कार किया गया। कांग्रेस के भ्रष्टाचार के बारे में उसी पार्टी के जनार्दन पुजारी, मार्गरेट अल्वा, बीके हरिप्रसाद, रमेश कुमार आदि नेताओं के वीडियो दिखाए गए।

दोनों पक्षों के अनेक नेता हुए उपस्थित

सभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक, राज्य भाजपा प्रभारी राधामोहन दास अग्रवाल, सह-प्रभारी सुधाकर रेड्डी, केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी, शोभा करंदलाजे, वी. सोमन्ना, जेडीएस युवा इकाई के प्रदेश अध्यक्ष निखिल कुमारस्वामी, दोनों पक्षों से वरिष्ठ नेता पूर्व मुख्यमंत्री जगदीश शेट्टार, डी.वी. सदानंद गौड़ा और बसवराज बोम्मई, एच. विश्वनाथ, गोविंदा करजोला, विधान परिषद में विपक्ष के नेता चळुवड़ी नारायणस्वामी, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष नलिन कुमार कटील, डॉ. सी.एन. अश्वथनारायण, एन. महेश, सी.सी. पाटिल, अरविंद बेलाडा, श्रीमती शशिकला जोले, सी.टी. रवि, बी. श्रीरामुलु, भैरती बसवराज, एन. नागराज (एमटीबी), टी.एस. श्रीवत्स, हेमलता नाइक, निर्मल कुमार सुराना, यदुवीर कृष्णदत्त वाडियार, कोटा श्रीनिवास पुजारी, वी. सुनील कुमार, सुनील वाल्यापुरे, स.रा. महेश, सुरेश बाबू सी.बी., बंदेप काशेमपुर, वेंकटराव नादागौड़ा, के.टी. श्रीकांत गौड़ा, सी.एस. पुत्तराजू, एस.एल. बोजेगौड़ा, के.ए. तिप्पेस्वामी, जी.टी. देवेगौड़ा, श्रीमती शारदा परनायका, टी.ए. सरवन, के. मंच पर अन्नदानी आदि मंचासीन थे। कार्यक्रम का संचालन राज्य प्रधान सचिव पी. राजीव ने करते हुए बताया कि राज्य के विभिन्न जगहों से कार्यकर्ताओं की बसों को पुलिस ने कई स्थानों पर रोक दिया।

सिद्दरामय्या के इस्तीफे की मांग को लेकर भाजपा-जद (एस) का विरोध मार्च

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। कर्नाटक में विपक्षी भाजपा और जद (एस) ने कथित मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) जमीन आवंटन घोटाले को लेकर मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के इस्तीफे की मांग करते हुए सप्ताह भर चलने वाले अपने विरोध मार्च के तहत शनिवार को भी प्रदर्शन किया। विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और जनता दल (सेक्युलर) का यह विरोध मार्च एक विशाल रैली के साथ समाप्त होगा।

'मैसूरु चलो' विरोध मार्च का शनिवार को आठवां और अंतिम दिन है। यह आज यहां रामास्वामी सर्किल से शुरू हुआ और महाराजा कॉलेज मैदान पर समाप्त होगा, जहां एक रैली का आयोजन किया जाएगा। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक विजयेंद्र येडीयुरप्पा जद (एस) नेता निखिल कुमारस्वामी और दोनों दलों के कई नेताओं ने मंदिर में पूजा-अर्चना करने के बाद इस विरोध मार्च में हिस्सा लिया। भाजपा के वरिष्ठ नेता बी एस येडीयुरप्पा, जद (एस) नेता एवं केंद्रीय मंत्री एच डी कुमारस्वामी, विजयेंद्र, विधानसभा में विपक्ष के नेता आर अशोक, दोनों दलों के कई विधायक, सांसद, नेता और कार्यकर्ता आज होने वाली विशाल रैली में शामिल होंगे।

सत्तारूढ़ कांग्रेस ने सिद्दरामय्या के समर्थन में तथा विपक्ष के आरोपों और उनके पैदल मार्च का मुकाबला करने के लिए शहर में शुक्रवार को एक विशाल ''जन-आंदोलन'' सम्मेलन का आयोजन किया था। विपक्षी दलों का आरोप है कि एमयूडीए ने उन लोगों को मुआवजे के तौर पर भूखंड वितरित करने में अनियमितता बरती, जिनकी जमीन का ''अधिग्रहण'' किया गया है। मुआवजे के तौर पर भूखंड प्राप्त करने वालों में सिद्दरामय्या की पत्नी पार्वती भी शामिल हैं। ऐसा आरोप है कि पार्वती को मैसूरु के 'एक पॉश' इलाके में मुआवजे के तौर पर ऐसा भूखंड आवंटित किया गया, जिसका मूल्य उनकी उस जमीन की तुलना में अधिक था, जिसका एमयूडीए ने ''अधिग्रहण'' किया था।

एमयूडीए घोटाले के संबंध झूठे आरोप लगाकर मेरी छवि धूमिल कर रहा है विपक्ष : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने विपक्षी दलों भाजपा और जद(एस) पर मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) 'भूमि आवंटन घोटाले' के संबंध में आरोप लगाकर उनकी छवि धूमिल करने के प्रयास का शनिवार को आरोप लगाया और कहा कि वह इन चीजों से डरने वाले नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह इन आरोपों के खिलाफ राजनीतिक और कानूनी लड़ाई लड़ेंगे। सिद्दरामय्या ने कहा कि वह एच.डी. कुमारस्वामी, बी.एस. येडीयुरप्पा और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आर. अशोक समेत विपक्षी नेताओं को बेनकाब करेंगे और उन घोटालों को उजागर करेंगे जिनमें वे शामिल थे। उन्होंने कहा कि जांच रिपोर्टों के आधार पर उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। सिद्दरामय्या ने कहा, हमने (कांग्रेस ने) उनकी (विपक्ष की) पदयात्रा के खिलाफ जनांदोलन सम्मेलन आयोजित किए हैं। हमने लोगों को बताया है कि वे झूठ बोल रहे हैं, वे झूठे आरोपों को लेकर पदयात्रा कर रहे हैं। वे सिद्दरामय्या की छवि पर काला धब्बा लगाने की कोशिश कर रहे हैं। वे लोगों के आशीर्वाद से सत्ता में आई इस सरकार को हटाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने यहां पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि विपक्ष इस भ्रम में है कि वह सिद्दरामय्या की प्रतिष्ठा धूमिल करने की कोशिश करके उसे राजनीतिक रूप से दबा सकते हैं।

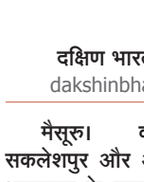

उन्होंने कहा, उनके (विपक्ष के) कार्यकाल में बहुत सारे घोटाले हुए हैं, हम उन्हें उजागर करेंगे। हमने उनमें से कुछ का उल्लेख किया है, कुछ की जांच जारी है, रिपोर्ट सामने आने के बाद हम जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई करेंगे। चाहे वह कुमारस्वामी हों या येडीयुरप्पा या विजयेंद्र या अशोक। हम सभी के खिलाफ कार्रवाई करेंगे। विपक्षी भाजपा और जद (एस) ने एमयूडीए द्वारा सिद्दरामय्या की पत्नी पार्वती समेत विभिन्न लोगों को भूमि का आवंटन किए जाने में हुए कथित फर्जीवाड़े को उजागर करने के लिए बेंगलूरु से मैसूर तक एक सप्ताह की पदयात्रा निकाली थी।

इंस्टीट्यूट ऑफ अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया द्वारा 56वां क्षेत्रीय सम्मेलन

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । आईसीएआई की दक्षिण भारत क्षेत्रीय परिषद (एसआईआरसी) ने 9 से 10 अगस्त तक बेंगलूरु के पैलेस ग्राउंड्स में 'जिज्ञासा- ज्ञान की खोज' विषय पर अपना 56वां क्षेत्रीय सम्मेलन आयोजित किया।

संस्कृत शब्द 'जिज्ञासा' जिज्ञासा, जिज्ञासा और ज्ञान की खोज का प्रतीक है। इसमें उत्तर खोजने, नए क्षितिज तलाशने और समझ को गहरा करने की हमारी सहज इच्छा शामिल है। इस विषय के आधार पर, पेशेवरों और सीए छात्रों के लिए बदलते युग में लेखांकन क्षेत्र की 'प्राथमिकता' सटीकता, डेटा-संचालित अंतर्दृष्टि, विश्वास, ऑडिटिंग उत्कृष्टता और प्रौद्योगिकी-सक्षम शिक्षा पर जोर देती है। साथ में, 'जिज्ञासा' और 'आद्यता' जिज्ञासा को गले लगाने, विचार-मंथन, चर्चा में संलग्न होने और ज्ञान अर्जन की निरंतर यात्रा पर निकलने के लिए पूरक हैं। दो दिवसीय सम्मेलन के दौरान विषय विशेषज्ञों द्वारा विभिन्न तकनीकी कार्यशालाएँ प्रस्तुत की गईं।

अंतर्राष्ट्रीय ख्याति के प्रतिष्ठित संसाधन व्यक्तियों ने जीएसटी, फेमा, आयकर, कंपनी अधिनियम, सूचना प्रौद्योगिकी, प्रत्यक्ष कर आदि पर व्याख्यान दिए। सम्मेलन के उद्घाटन कार्यक्रम में आईसीएआई के अध्यक्ष रंजीत अग्रवाल, गीता एबी, प्रमोद कुमार हेगड़े, कर्नाटक के शैली जिंदल, मुख्य आयकर आयुक्त, कर्नाटक और गोवा और डीआरडीओ से डॉ बिनोद कुमार उपस्थित थे।

कार्यक्रम के दूसरे दिन सांसद डॉ सीएन मंजूनाथ ने जीवनशैली, तनाव और स्वास्थ्य पर व्याख्यान दिया। इस मौके पर संस्था द्वारा उनका सम्मान किया गया।

एमटीसी द्वारा 'वेलनेस इन आर्म्ड फोर्सेज ...' विषय पर सेमिनार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। वायुसेना के चिकित्सा प्रशिक्षण केंद्र (एमटीसी) ने वेलनेस इन आर्म्ड फोर्सेज थ्रू प्राइमरी हैल्थ केयर' विषय पर पैरामेडिकल सेमिनार आयोजित किया। इस दो दिवसीय कार्यक्रम की शुरुआत शुक्रवार को हुई थी।

इस सेमिनार का मकसद चिकित्सा सहायकों को भारतीय सशस्त्र बलों की स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं में आयोजित की जा रही विभिन्न प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल गतिविधियों के जरिए बलों के कर्मियों और उनके परिवारों द्वारा प्राप्त स्वास्थ लाभ और प्रगति की अवधारणाओं के बारे में जानकारी देना था। इस सेमिनार ने सशस्त्र सेना चिकित्सा सेवाओं में चिकित्सा सहायकों को किसी विषय के नवीनतम विकास के बारे में अपने ज्ञान और समझ को बेहतर बनाने का अवसर दिया। दो दिनों के दौरान, विभिन्न सत्रों का आयोजन किया गया, जिनमें स्वास्थ्य संवर्धन, विशिष्ट सुरक्षा और शीघ्र निदान और उपचार के जरिए भारतीय सशस्त्र बलों में कल्याण पर समकालीन विषयों पर दिलचस्प और शानदार चर्चाएं हुईं।

इस सेमिनार ने तीनों सेनाओं के चिकित्सा सहायकों के बीच नेटवर्किंग और सहयोग के लिए एक मंच भी प्रदान किया, जिससे सशस्त्र बलों की भविष्य की युद्ध आवश्यकताओं से निपटने के लिए अच्छे तरीकों और प्रशिक्षण रणनीतियों के विकास पर विचारों के आदान-प्रदान में सुविधा हुई। कार्यक्रम का समापन प्रतिभागियों के लिए सार्वजनिक स्वास्थ्य पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के साथ हुआ।

भूस्खलन के कारण बेंगलूरु-मंगलूरु खंड पर रेल सेवाएं प्रभावित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। कर्नाटक के सकलेशपुर और अलूर के समीप भूस्खलन के कारण मंगलूरु और बेंगलूरु के बीच ट्रेन सेवाएं बाधित हुई हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि मैसूरु मंडल के सकलेशपुर और बल्लुपेट स्टेशनों के बीच शुक्रवार देर रात साढ़े 12 बजे भूस्खलन हुआ। दक्षिण पश्चिमी रेलवे के अनुसार, पांच ट्रेन सेवाएं प्रभावित हुई हैं, जिससे कई यात्री फंस गए। बेंगलूरु जाने वाले कुछ यात्री बस पकड़ने के लिए मुख्य मार्ग पर चले गए। रेलवे ने बचे हुए लोगों को भोजन उपलब्ध कराया।

प्रभावित रेलगाड़ियों में रेल संख्या 16511 केएसआर बेंगलूरु-कन्नूर एक्सप्रेस, जिसे अलूर में रोका गया। ट्रेन संख्या 16585 एसएमवीटी बेंगलूरु - मुर्देश्वर एक्सप्रेस, जिसे हासन में रोका गया। ट्रेन संख्या 16586 मुर्देश्वर-एसएमवीटी बेंगलूरु एक्सप्रेस, जिसे सकलेशपुर में रोका गया। ट्रेन संख्या 16512 कन्नूर-केएसआर बेंगलूरु एक्सप्रेस, जिसे सकलेशपुर में रोका गया। ट्रेन सं. 16596 करवार-केएसआर बेंगलूरु पंचगंगा सुपर-फास्ट एक्सप्रेस, जिसे डोनिगल में रोका गया।

हुब्बल्ली स्थित दक्षिण पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी ने बताया कि राहत सामग्री और बचाव दल भेज दिए गए हैं और मरम्मत का काम जारी है। महाप्रबंधक अरविंद श्रीवास्तव, अतिरिक्त महाप्रबंधक केएस जैन और विभागाध्यक्षों सहित वरिष्ठ अधिकारी स्थिति पर कड़ी निगरानी रख रहे हैं। क्षेत्र में 26 जुलाई को भूस्खलन के बाद सकलेशपुर और सुब्रह्मण्य के बीच ट्रेन सेवाएं प्रभावित हुई थीं और बेंगलूरु व मंगलूरु के बीच रेल सेवाएं 8 अगस्त को ही फिर से शुरू हुई थीं।

मध्याह्न भोजन में बच्चों को दिए अंडे वापस लेने का वीडियो सामने आया, दो आंगनवाड़ी कार्यकर्ता निलंबित

बेंगलूरु। कर्नाटक के कोप्पल जिले में दो आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को मध्याह्न भोजन के दौरान बच्चों की प्लेट से अंडे वापस लेने के आरोप में निलंबित कर दिया गया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामला प्रकाश में आया। अधिकारियों के अनुसार, दो कार्यकर्ताओं ने आंगनवाड़ी में बच्चों को परोसे जा रहे अंडों का वीडियो रिकॉर्ड किया और तस्वीरें खींचीं। वीडियो बनाने के बाद, उन्होंने भोजन के दौरान बच्चों की प्लेट से तुरंत अंडे हटा दिए।

अंडे सरकारी स्कूलों और आंगनवाड़ियों में दिए जाने वाले मध्याह्न भोजन का अनिवार्य हिस्सा हैं। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा नौ अगस्त को जारी आदेश में कहा गया है कि दोनों आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को कर्तव्य निर्वहन में लापरवाही बरतने के कारण अगले आदेश तक निलंबित कर दिया गया है।

घटना पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कर्नाटक की महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर ने कहा कि जैसे ही मामला उनके संज्ञान में आया, तत्काल कार्रवाई की गई और विभाग के अधिकारियों को दोनों आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को निलंबित करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि घटना के संबंध में कोप्पल के बाल विकास परियोजना अधिकारी को निलंबित करने और जिले के उप निदेशक को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए हैं। मंत्री ने मामले के संबंध में विस्तृत रिपोर्ट भी तलब की है।

लोगों को साथ लाने का एक खूबसूरत तरीका है संगीत : रिकी केज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तीन बार के ग्रैमी पुरस्कार विजेता रिकी केज का कहना है कि एक समय ऐसा था जब दिमाग में बेंगलूरु का ध्यान आते ही कानों में कर्नाटक संगीत और डोल्लू व कामसले की धुनें

गूंजने लगती थीं लेकिन अब बेंगलूरु में हर तरीके की आवाज घर जैसी लगती है। केज ने नौ अगस्त को बेंगलूरु में राष्ट्रीय गान का नया संस्करण प्रस्तुत किया।

नये राष्ट्रगान को लोग 14 अगस्त से सुन सकेंगे। इस नये राष्ट्रगान ने गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड भी बनाया है क्योंकि इसमें कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज के लगभग 14,000 विद्यार्थी शामिल हुए हैं। केज ने राष्ट्रगान को प्रस्तुत करने के बाद 'पीटीआई-भाषा' से कहा कि यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि राष्ट्रगान के इस नये संस्करण में एक साथ कई दिग्गज संगीतकार दिखाई देंगे।

केज ने कहा, मुझे उम्मीद थी कि वे (अन्य दिग्गज संगीतकार) हां कहेंगे और मैं भाग्यशाली हूं कि वे मेरे साथ काम करने के लिए सहमत हुए। मेरे लिए यह बहुत आसान था। मैं उनके बनाए गए संगीत की प्रशंसा करता हूं और उनके साथ काम करना चाहता था। राष्ट्रगान के नये संस्करण में दिग्गज बांसुरी वादक पंडित हरिप्रसाद चौरसिया व राकेश चौरसिया, संतूर वादक राहुल शर्मा, नादस्वरम वादक शेख महबूब सुभानी व कालीशाबी महबूब, सरोद वादक अमान अली बंगश व अयान अली बंगश, वीणा वादक जयंती कुमारेश और कर्नाटक के प्रमुख तालवादक गिरिधर उडुपा दिखाई देंगे।

अयोध्या देश के सांस्कृतिक गौरव का प्रतीक, प्रभु श्रीराम हमारे जीवन-आदर्श : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से शनिवार को मुख्यमंत्री निवास पर सिकराय विधानसभा क्षेत्र के विधायक विक्रम बंशीवाल एवं मेधावी छात्राओं ने मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने विधायक बंशीवाल की पहल पर हवाई मार्ग से अयोध्या दर्शन के लिए जा रही मेधावी छात्राओं को आशीर्वाद प्रदान किया। मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि अयोध्या दुनिया का सबसे बड़ा आध्यात्मिक और सांस्कृतिक केन्द्र बन चुका है, जो कि हमारे देश के गौरव का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि रोम-रोम में बसने वाले प्रभु श्रीराम हम सभी की जीवन पद्धति के आदर्श हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इस दौरान छात्राओं को यात्रा के लिए शुभकामनाएं दी। उन्होंने छात्राओं के अनुरोध पर तिरंगे के साथ सेल्फी भी खिंचवाई। शर्मा ने कहा कि बच्चों में सांस्कृतिक केन्द्रों को लेकर अभिलाषा बनी रहती है। इस यात्रा से धार्मिक दर्शन के साथ ही भारत की समृद्ध संस्कृति एवं विरासत के साक्षी बनने का अनुभव प्राप्त होगा और जीवन में एक नए अध्याय की शुरुआत होगी। मुख्यमंत्री ने विधायक विक्रम बंशीवाल की बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने की दिशा में की गई पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह पहल भावी छात्र-छात्राओं की हौसला अफजाई का काम करेगी। उल्लेखनीय है कि विधायक बंशीवाल की अनूठी पहल पर बोर्ड परीक्षाओं में 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाली सिकराय विधानसभा क्षेत्र की मेधावी छात्राओं को हवाई यात्रा के माध्यम से अयोध्या दर्शन करवाया जाएगा। इस अवसर पर विधायक विक्रम बंशीवाल के परिजन, स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं छात्राएं उपस्थित रहीं।

आसन का होना चाहिए सर्वोच्च सम्मान, लोकतंत्र के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है ऐसा व्यवहार : गजेंद्र सिंह शेखावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर । केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने शुक्रवार को राज्यसभा में जया बच्चन और सभापति जगदीप धनखड़ के बीच हुई बहस को अफसोसनाक बताया। गृह नगर जोधपुर पहुंचे सांसद ने कहा हाल ही में राजस्थान विधानसभा में भी कुछ ऐसा ही दिखा जो दुखद था। शेखावत ने कहा, ये दुर्भाग्यपूर्ण बात है, आसन के प्रति सर्वोच्च सम्मान होना चाहिए।

लेकिन, कोई सदस्स आसन या किसी व्यक्ति को ठेस पहुंचाने वाली बात करें तो लोकतंत्र के लिए और भारत जैसे देश में ये तरीका दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा, सदन में होने वाली ऐसी घटनाओं से मन को दुख होता है। हाल ही में ऐसा ही वाक्या राजस्थान विधानसभा में भी देखने को मिला। जिस तरह के शब्दों का इस्तेमाल आसन के लिए एक वरिष्ठ नेता द्वारा किया गया था। कोई भी शख्स ऐसी घटनाओं की

निंदा ही करेगा। आसन का सर्वोच्च सम्मान होना चाहिए।

राज्यसभा में शुक्रवार (9 अगस्त) को सपा सांसद जया बच्चन और सभापति जगदीप धनखड़ के बीच तीखी बहस देखने को मिली थी। राज्यसभा सदस्य ने सभापति के बात करने के अंदाज और उनके हाव भाव पर सवाल उठाए थे, जिस पर जगदीप धनखड़ ने नाराजगी जताई थी।

वहीं राजस्थान विधानसभा में भी स्पीकर वासुदेव देवनानी और कांग्रेस विधायकों संग बहस हो गई थी। कांग्रेस विधायक मुकेश भाकर ने अमर्यादित बर्ताव किया था जिसके बाद उन्हें सदन से निलंबित कर दिया गया था। इसके साथ ही केंद्रीय मंत्री शेखावत से बांग्लादेश के हालातों पर भी सवाल किया गया। उन्होंने कहा, बांग्लादेश में जो कुछ हुआ, वह ठीक नहीं है। भारत सरकार वहां के हालातों पर लगातार नजर बनाए हुए है। हमारी सरकार संपर्क में है और जल्द ही हालत ठीक होने के बाद बांग्लादेश वापस पटरी पर लौटेगा।

अगर देश में विपक्ष इस मुद्दे को गलत तरीके से उछाल रहा है तो यह दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्हें यह पता होना चाहिए कि हम भारत में है, बांग्लादेश में नहीं।

शेखावत ने राजस्थान में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे प्रयासों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, संविधान के अनुसार, पर्यटन राज्य का विषय है, पूर्व की सरकार में जो योजनाएं बनी थी। उसके तहत हाल ही में बजट जारी किया गया। लेकिन, आने वाले समय में और भी फंड जारी किए जाएंगे। इसमें राजस्थान सहित अन्य राज्यों को भी शामिल किया जाएगा।

स्वच्छ और संवेदनशील प्रशासन सरकार का ध्येय : सुधांश पंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उदयपुर,। प्रदेश के मुख्य सचिव सुधांश पंत ने कहा कि प्रदेशवासियों को स्वच्छ और संवेदनशील प्रशासन देना मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं राज्य सरकार का मुख्य ध्येय है। अधिकारी इस बात पर विशेष ध्यान देवें कि आमजन की परिवेदनाओं पर त्वरित कार्यवाही होनी चाहिए तथा उन्हें गुणवत्तापूर्ण राहत भी मिलनी चाहिए। इसमें किसी प्रकार की कौताही नहीं बरती जानी चाहिए। पंत शनिवार को जिला परिषद सभागार में संभाग स्तरीय समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। मुख्य सचिव ने संभाग के उदयपुर, भीलवाड़ा, राजसमंद, चित्तौड़गढ़ और सलूम्बर जिलों के कलक्टर-एसपी के साथ ही संभाग स्तरीय विभागीय अधिकारियों से विभिन्न योजनाओं व कार्यों की प्रगति रिपोर्ट तथा कानून व्यवस्था के बारे में जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने केंद्र व राज्य सरकार की महत्वपूर्ण और जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की।

मुख्य सचिव समय की पाबंदी को लेकर काफी संवेदनशील हैं। समीक्षा बैठक का समय 10 बजे निर्धारित था। मुख्य सचिव इससे 10 मिनट पहले ही बैठक स्थल पर पहुंच गए। संभागीय आयुक्त राजेंद्र भट्ट, आईजी अजयपाल लांबा, मुख्य वन संरक्षक एसआर मूर्थी, जिला कलक्टर अरविन्द पोसवाल आदि ने उनका अभिवादन किया। मुख्य सचिव पंत ने सर्वप्रथम सभी

अधिकारियों से औपचारिक परिचय प्राप्त किया।

बैठक में मुख्य एजेण्डा पर चर्चा से पूर्व मुख्य सचिव ने अधिकारियों को संबोधित करते हुए गुड गवर्नेंस के टिप्स दिए। उन्होंने कहा कि आज हम सभी उस पोजिशन में हैं, जहां से आमजन की समस्याओं के निस्तारण कर सकते हैं, अपने क्षेत्र, प्रदेश और देश के विकास में योगदान दे सकते हैं। आपकी भूमिका राज्य सरकार की इमेज बिल्डिंग करती है। अपनी भूमिका को कम नहीं आंकें। आप राज्य सरकार के लिए सबसे महत्वपूर्ण मानव संसाधन है। आप सभी ने कठिन हालातों में भी बेहतर काम करके दिखाया है। हर विभाग ने अपनी भूमिका को बहुत अच्छे ढंग से निभाया है। उन्होंने कहा कि हमें और अधिक संवेदनशील होकर काम करना होगा। सरकार की मंशा के अनुरूप लोगों को त्वरित राहत उपलब्ध कराकर गुड गवर्नेंस के संकल्प को साकार करना होगा।

भजनलाल शर्मा और राज्य सरकार की मंशा है। आम व्यक्ति छोटे-मोटे कामों के लिए उलझा रहे यह उचित नहीं है। उन्होंने ई-फाइलिंग और डिस्पोजल टाइमिंग पर जोर देते हुए कहा कि तकनीक का उपयोग करते हुए काम को सहज, सरल और सुलभ बनाया जा सकता है, ताकि लोगों को समय पर राहत मिल सके।

मुख्य सचिव ने प्रदेश में वर्षा के दौरान बनने वाले हालातों की ओर ध्यान दिलाते हुए कहा कि हमारी थोड़ी सी सतर्कता कई लोगों का जीवन बचा सकती है। उन्होंने सभी अधिकारियों से अपने-अपने क्षेत्र में आपदा प्रबंधन को मजबूत करने, नालों-जलाशयों पर चेतावनी बोर्ड सुनिश्चित कराने, नदी-नालों की सफाई करवाने, खुले नालों को ढंकवाने आदि के निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने सर्वप्रथम राजस्व से जुड़े विभिन्न प्रकरणों की बिन्दुवार समीक्षा की। इसमें भू-रूपांतरण, नामांतरण, राजकीय भूमि को लेकर चल रहे न्यायिक प्रकरणों, योजनाओं और मुख्यमंत्री बजट घोषणाओं को लेकर अपेक्षित भूमि आवंटन प्रकरणों, भूमि अवाप्ति और मुआवजा वितरण से जुड़े प्रकरणों आदि की जिले और संभागवार समीक्षा की। उन्होंने प्रत्येक विषय में लंबित प्रकरणों को लेकर संबंधित जिला कलक्टर्स से फीडबैक लेते हुए प्रकरणों के समय पर निस्तारण को लेकर दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कोई भी फाइल अनावश्यक पेण्डिंग नहीं रहनी चाहिए। सरकार प्रदेशवासियों को स्वच्छ प्रशासन देना चाहती है। इसमें दूध जैसे घटनाक्रमों के लिए कोई जगह नहीं है। जो काम रूटिन में हो सकते हैं, वह किसी भी स्थिति में लंबित नहीं रहें। सचिवालय स्तर के इशु हो तो उन्हें तत्काल संबंधित उच्चाधिकारी के ध्यान में लाकर निस्तारित कराने के प्रयास किए जाएं।

बैठक में मुख्य सचिव पंत ने प्रशासन सहित सभी विभागों के अधिकारियों-कर्मचारियों के क्षमतावर्द्धन को लेकर लांच किए गए आईगॉट मिशन कर्मयोगी की प्रगति की भी समीक्षा की। उदयपुर संभाग में प्रशासनिक स्तर पर 78 प्रतिशत कार्मिकों का मिशन कर्मयोगी में पंजीयन हुआ है। वहीं 2152 लोगों ने विभिन्न प्रशिक्षण भी प्राप्त कर लिए हैं। इस पर पंत ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि यह केंद्र सरकार का महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट है। नीति आयोग की गत 27 जुलाई को ही हुई बैठक में भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस पर फोकस किया था। उन्होंने मिशन कर्मयोगी में प्रशासन सहित सभी विभागों के अधिकारियों-कर्मचारियों का शत प्रतिशत पंजीयन सुनिश्चित करते हुए अपेक्षित प्रशिक्षण प्राप्त करने के निर्देश दिए।

भरतपुर, अलवर और बीकानेर सहित कई जिलों में भारी बारिश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के कई हिस्सों में मानसून की बारिश का दौर लगातार जारी है जहां बीते 24 घंटे में भरतपुर, अलवर और बीकानेर सहित कई जिलों में भारी बारिश हुई। मौसम विभाग का कहना है कि बारिश का दौर अभी हफ्ते भर जारी रहेगा। भारत मौसम विज्ञान विभाग के जयपुर केंद्र के अनुसार शनिवार सुबह साढ़े आठ बजे तक पिछले 24 घंटे की अवधि में प्रतापगढ़ के पीपलखूंट में 112 मिलीमीटर बारिश हुई। इसी तरह भरतपुर के डीग में 89 मिलीमीटर, सवाई माधोपुर के बामनवास में 76 मिलीमीटर, अलवर के मुंडावर में 72 मिलीमीटर और बीकानेर के खाजूवाला में 65 मिलीमीटर बरसात हुई जो भारी बारिश की श्रेणी में आती है।

इसके अनुसार उत्तर-पूर्वी राजस्थान के ऊपर बना परिसंचरण तंत्र आज भी इसी क्षेत्र में सक्रिय है तथा सतह से 5.8 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तृत है। मानसून 'ट्रफ लाइन' आज बीकानेर और परिसंचरण तंत्र से होकर गुजर रही है। इसके प्रभाव से पूर्वी राजस्थान के अनेक भागों में मध्यम से तेज बारिश की गतिविधियां आगामी एक सप्ताह तक जारी रहने की प्रबल संभावना है। शनिवार को भी जयपुर, अजमेर और कोटा संभाग में कहीं-कहीं भारी बारिश तथा कहीं-कहीं अति भारी बारिश होने की संभावना है। जयपुर, अजमेर, कोटा, उदयपुर और भरतपुर संभाग में मानसून सक्रिय रहने तथा कहीं-कहीं भारी बारिश की गतिविधियां आगामी पांच से सात दिन जारी रहने की प्रबल संभावना है। पश्चिमी राजस्थान के बीकानेर और जोधपुर संभाग के कुछ भागों में आगामी पांच से छह दिन मध्यम और कहीं-कहीं तेज बारिश होने की संभावना है। शेखावाटी क्षेत्र में भी कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है।

राज्यपाल ने भारत पाक सीमा क्षेत्र का दौरा किया, जवानों से संवाद किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बाड़मेर। राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागडे ने शनिवार को बाड़मेर के सुदूर पश्चिम सीमा स्थित गांवों का दौरा कर वहां पर केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न विकास और जन कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन के बारे में जानकारी ली। उन्होंने पीएम आवास, मनरेगा आदि के तहत किए जा रहे कार्यों के बारे में ग्रामीण जनों से संवाद कर जानकारी ली। उन्होंने अपने साथ चल रहे अधिकारियों को मौके पर ही समस्याओं के समाधान के निर्देश देते हुए गांव गरीब के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता रखते हुए कार्य करने का भी आह्वान किया।

राज्यपाल बागडे ने गडरारोड पंचायत समिति के तामलोर गांव में ग्रामीणों से उनके निवास स्थान पहुंचकर व्यक्तिगत संवाद किया। बाद में उन्होजे गांव में केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं से किए गए विकास कार्यों का अवलोकन भी किया। उन्होंने गांव के तालाब और जल संरक्षण के तहत अन्य संरचनाओं का भी मुआयना किया। उन्होंने आम जन से अपील भी की कि वर्षा की एक एक बूंद को सहेजा जाए। गडरा रोड के तामलोर गांव में राज्यपाल ने वहां के विद्यालय के बच्चों से बातचीत की। उन्होंने स्कूल में 34 में से 27 बच्चों ने उत्तीर्ण होने की जानकारी मिली तो उन्होंने 7 अनुत्तीर्ण बच्चों के भविष्य पर चिंता जताई। हैडमास्टर को बुलाकर उन्होंने इन बच्चों के बारे में जानकारी ली और निर्देश दिए और कहा कि इनके अभिभावकों से संपर्क कर इनका विद्यालय में फिर से नामांकन करवाया जाए और पढ़ाई से इन्हें फिर से जोड़ें।

राज्यपाल ने बाड़मेर दौरे के अंर्तगत मुनाबाव बॉर्डर पहुंचकर सीमा क्षेत्र का निरीक्षण किया। उन्होंने भारत-पाक बॉर्डर बीओपी का निरीक्षण करने के साथ ही सीमा क्षेत्र पर चौकसी रखते जवानों द्वारा निरंतर राष्ट्र की रक्षा के लिए कार्य करने की सराहना की। सीमा सुरक्षा बल के जवानों से संवाद करते हुए उन्होंने बॉर्डर एरिया से संबंधित मुद्दों पर भी अलग से चर्चा की।

उन्होंने कहा कि सेना के जाबाज़ सैनिक मां भारती के वह सपूत है जिनके कंधे पर राष्ट्र की सुरक्षा का भार है। उन्होंने सैनिकों का हौसला बढ़ाते हुए उनके पराक्रम की सराहना की। उन्होंने सीमा पार से अवैध सामानों की तस्करी, नशीले पदार्थों के उपयोग आदि के बारे में भी जानकारी ली। उन्होंने बीएसएफ के अधिकारियों के साथ सुरक्षा समन्वय बैठक में सीमा सुरक्षा से मुड़े मुद्दों पर संवेदनशील होकर कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने सीमा पर रहने वाले परिवारों की भी सराहना की तथा राष्ट्र की सुरक्षा में उनकी भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधारोपण भी किया।

चिकित्सा मंत्री ने बच्चों को कृमि नाशक दवाई खिलाकर किया कृमि मुक्ति दिवस का शुभारंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागौर। प्रदेश के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने नागौर के खींवसर में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में बच्चों को कृमि नाशक दवाई खिलाकर प्रदेशभर में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस अभियान की शुरुआत की है। चिकित्सा मंत्री ने मायड़ भाषा में आमजन को संबोधित करते हुए कहा कि आपणां टाबर देश रो भविष्य है, भारत ने नवनिर्माण मांय आपणी नुवीं पीढ़ी रो घणो योगदान हुसी, इण वास्ते टाबरां अर किशोर-किशोरयां रे स्वास्थ्य रो ध्यान राखणो घणो जरूरी है। पेट रे मांय कीड़ा सूं मुक्ति भी टाबरां रे स्वास्थ्य वास्ते जरूरी है, इण वास्ते सरकार अगस्त महीनां री 10 तारीख ने गांव-ढाणी तक कृमि मुक्ति दिवस मनावे। कृमि अस्वछता और गदंगी सूं फैले है अर संक्रमित मिट्टी सूं संचारित हुवै और पेट में कीड़ा होवण सूं टाबरां मांय कई तरह की बीमारियां होवण रो डर रैवे। इण वास्ते टाबरां ने साल-छह महीनां सूं एक बार कृमि मुक्ति री दवा जरूर देवणी चाइजै।

स्वास्थ्य मंत्री ने 1 से 19 वर्ष तक की आयु वर्ग के बच्चों तथा किशोर- किशोरियों को एलबेंडाजॉल खिलाई। उन्होंने कहा कि इस साल कृमि मुक्ति दिवस पर राज्य में 1 वर्ष से 19 वर्ष तक के लगभग 3.33 करोड़ बच्चों व किशोर-किशोरियों को कृमि मुक्ति की दवा खिलाई जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने कहा कि कृमि संक्रमण बच्चों के शारीरिक विकास, हीमोग्लोबिन स्तर, पोषण और बौद्धिक विकास पर भी हानिकारक प्रभाव डालता है। ऐसे में निश्चित समयांतराल पर कृमि मुक्ति (डिवर्मिंग) करने से कृमि संक्रमण (पेट के कीडो की समस्या) के फैलाव को रोका जा सकता है।

कार्यक्रम में निदेशक आरसीएच डॉ. सुनीतसिंह राणावत ने बताया कि पेट में कीड़े (कृमि) से निजात

दिलाने वाली एल्बेंडाजॉल की दवा प्रदेश के सभी विद्यालयों, महाविद्यालयों, तकनीकी शिक्षण संस्थानों,मदरसों और आंगनबाड़ी केन्द्रों पर निःशुल्क खिलाई जा रही है। इस अभियान के दौरान छूटे बच्चों को कृमिनाशक दवा खिलाने के लिए 17 अगस्त को मॉपअप दिवस आयोजित किया जाएगा ताकि एक भी बच्चा यह दवा खाने से नहीं छूटे।

कार्यक्रम में खींवसर पंचायत समिति प्रधान सीमा बीड़ियासर, ग्राम पंचायत खींवसर की सरपंच राजू देवी, परियोजना निदेशक, बाल स्वास्थ्य डॉ. प्रदीप चौधरी, संयुक्त निदेशक अजमेर जोन डॉ. सम्पतसिंह जोधा तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राकेश कुमावत सहित अन्य गणमान्यजन ने भाग लिया।।राजा गज सिंह की उम्मेद भवन पैलेस में शिष्टाचार भेंट

जोधपुर्। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने आज उम्मेद भवन पैलेस में महाराजा श्री गज सिंह के साथ शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर उपराष्ट्रपति की धर्मपत्नी श्रीमती सुदेश धनखड़ और महारानी श्रीमती हेमलता राज्ये भी मौजूद थीं्। यह भेंट सुबह 9:30 बजे से 10:30 बजे तक चली, जिसमें मारवाड़ की कला, संस्कृति, इतिहास और पर्यटन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई।

राष्ट्रीय पक्षी मोर के साथ दिखे भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर । राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अपने सरकारी आवास पर राष्ट्रीय पक्षी मोर को दाना खिलाते हुए तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा कीं, जिसे लेकर राजनीतिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है। मुख्यमंत्री ने इस कार्य को भगवान कार्तिकेय के वाहन और राष्ट्रीय पक्षी मोर के प्रति श्रद्धा के रूप में प्रस्तुत किया। उन्होंने अपने एक्स पोस्ट में लिखा, आज प्रातःकाल की बेला में मुख्यमंत्री आवास पर भगवान कार्तिकेय के वाहन, पक्षियों के राजा राष्ट्रीय पक्षी मोर को आहार प्रदान किया।

इस कदम को कुछ राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नकल करने का प्रयास बता रहे हैं, जिन्होंने पहले भी मोर को दाना खिलाते हुए तस्वीरें साझा की थीं्। भजनलाल शर्मा के इस कार्य को उनके अनुयायियों द्वारा दैवीय कृपा और प्रेम का प्रतीक बताया जा रहा है, वहीं आलोचक इसे राजनीतिक छवि बनाने का एक प्रयास मान रहे हैं्। शर्मा ने आगे लिखा, ईश्वर द्वारा सृजित, भगवान श्रीकृष्ण की परछाई के रूप में विख्यात राष्ट्रीय पक्षी मोर सौंदर्य, प्रेम एवं स्नेह का प्रतीक हैं्। इनकी सेवा स्वयं में आराधना है, जो दैवीय कृपा से कम नहीं है। यह घटनाक्रम राजनीतिक क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है, जहां कई लोग इसे आध्यात्मिक आस्था और राजनीतिक रणनीति के बीच की रेखा को धुंधला करने का प्रयास मान रहे हैं्।

जल स्तर बढ़ने पर पांचना बांध के दो और गेट खोले

भरतपुर/दक्षिण भारत।राजस्थान में भरतपुर संभाग के करौली के पांचना बांध का जलस्तर बढ़ने पर शनिवार को बांध के दो और गेट खोल दिये गये हैं्। प्राप्त जानकारी के अनुसार जलस्तर बांध की कुल भराव क्षमता 258.62 मीटर के मुकाबले 258.10 मीटर पर पहुंचने के बाद दो गेट खोलकर आठ हजार क्यूसेक पानी की निकासी शुरू की गयी है। पांचना बांध से भरतपुर जिले की गम्भीर नदी में भारी तादाद में छोड़े जा रहे पानी के बाद भरतपुर जिले के बयाना एवं रूपवास उपखण्ड के नदी तटीय गांवों में नागरिकों को सचेत करके राज्य आपदा राहत बल (एसडीआरएफ), जल संसाधन, पंचायतीराज, चिकित्सा विभाग के साथ उपखण्ड प्रशासन रूपवास एवं बयाना को आवश्यक संसाधनों के सतर्क कर दिया गया है। उल्लेखनीय है कि पिछले कई दिनों से बांध के तीन द्वारों को दो-दो फीट खोलकर चार हजार क्यूसेक पानी की निकासी की जा रही थी। प्राप्त जानकारी के अनुसार करौली जिले में भारी बारिश के साथ ही नदी नाले एवं बांधों में आये उफान को देखते करौली प्रशासन और जल संसाधन विभाग ने बाँध के गेट संख्या 2,3,4,5,6 को पांच-पांच फुट खोलकर आठ हजार क्यूसेक पानी निकासी का निर्णय लिया।

जिन्हें अत्याचार में भी 'वोट बैंक' दिखाई देता है, वो जनता के हितैषी नहीं हो सकते : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को विपक्षी दलों मुख्य रूप से समाजवादी पार्टी (सपा) पर निशाना साधते हुए कहा कि जिन्हें अत्याचार में भी 'वोट बैंक' दिखाई देता है, वो जनता के हितैषी नहीं हो सकते हैं।

योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को यहां मिल्कीपुर में अयोध्या धाम स्थित अशर्फी भवन के नवनिर्मित श्री राम मंदिर में नूतन विग्रह की प्राण-प्रतिष्ठा और ब्रह्मलीन जगदाचार्य स्वामी मधुसूदनाचार्य जी महाराज व ब्रह्मलीन जगद्गुरु रामानुजाचार्य स्वामी माधवाचार्य जी महाराज की दिव्य-भव्य प्रतिमा के अनावरण कार्यक्रम में एक जनसभा को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा, ''नकारात्मक शक्तियों के मन में आपके प्रति सम्मान नहीं बल्कि दिखावटीपन है।''

योगी ने सवाल करते हुए कहा कि ''जिन्हें अत्याचार में भी वोट बैंक दिखाई देता है, वो आपके हितैषी कैसे हो सकते हैं।''

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या में पिछले दिनों एक नाबालिग लड़की के साथ सामूहिक दुष्कर्म मामले की ओर इशारा करते हुए विपक्षी दलों पर निशाना साधा। पुलिस ने 30 जुलाई को 12 साल की लड़की से कथित सामूहिक दुष्कर्म मामले में अयोध्या जिले के भदरसा में बेकरी संचालक मुईद खान और उसके कर्मचारी राजू को गिरफ्तार किया था।

इस मामले में मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने गत दिनों विधानसभा में कहा था, ''यह अयोध्या का मामला है। मुईद खान समाजवादी पार्टी से है और अयोध्या के सांसद (अवधेश प्रसाद) की टीम का सदस्य है। वह 12 साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म करने का मुख्य आरोपी है। समाजवादी पार्टी ने उसके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की है।''

अयोध्या जिला प्रशासन ने मुईद खान की बेकरी पर बुलडोजर चला उसे ध्वस्त कर दिया था। प्रशासन का आरोप है कि यह बेकरी तालाब को पाटकर बनाई गई थी।

मिल्कीपुर विधानसभा सीट पर निकट भविष्य में उपचुनाव होना है, जो अवधेश प्रसाद के फैजाबाद लोकसभा क्षेत्र से सांसद चुने जाने के बाद रिक्त हुई है। हालांकि, अभी निर्वाचन आयोग ने उपचुनाव की तारीखों की घोषणा नहीं की है।

मणिपुर में बफर जोन से असम राइफल्स को हटाने के खिलाफ कुकी छात्र संगठन ने किया प्रदर्शन

नई दिल्ली/भाषा। कुकी छात्र संगठन (केएसओ) के बैनर तले छात्रों और समर्थकों ने शनिवार को यहां विरोध प्रदर्शन किया और मणिपुर के बफर जोन से असम राइफल्स की 9वीं और 22वीं बटालियन को हटाने के केंद्र सरकार के फैसले को वापस लेने की मांग की। केएसओ द्वारा जारी एक बयान के मुताबिक, प्रदर्शनकारी जंतर-मंतर पर एकत्र हुए और इन संवेदनशील क्षेत्रों में असम राइफल्स की जगह केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की तैनाती के संभावित नतीजों पर अपनी चिंता व्यक्त की।

बयान में कहा गया कि गृह मंत्रालय ने मई 2023 में बफर जोन बनाया था। असम राइफल्स की देखरेख में इसका (बफर जोन का) उद्देश्य संघर्षरत मेइती और कुकी समुदायों को अलग रखना और हिंसा प्रभावित राज्य में आगे हिंसा रोकना है। केएसओ के एक प्रवक्ता ने रैली के दौरान कहा, असम राइफल्स ने मणिपुर के बफर जोन में हालात को स्थिर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा, इस अशांत समय में उन्हें हटाए जाने से शांति की दिशा में हुई प्रगति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है और हिंसा फिर से भड़क सकती है।

सहकारिता मंत्री अमित शाह का चीनी मिलों से एथनॉल के कच्चे माल में विविधता लाने का आग्रह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शनिवार को चीनी मिलों से एथनॉल उत्पादन के लिए गन्ने का विकल्प तलाशने को कहा और जैव ईंधन विनिर्माण के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाने पर जोर दिया। राष्ट्रीय सहकारी चीनी कारखाना महासंघ द्वारा आयोजित कार्यक्रम में बोलते हुए शाह ने कहा, 20% एथनॉल मिश्रण का लक्ष्य 2030 रखा गया है। हम 2025-26 में लक्ष्य हासिल कर लेंगे।

मंत्री ने कहा कि सरकार के एथनॉल सम्मिश्रण कार्यक्रम से देश के कच्चे तेल के आयात बिल को कम करने और पर्यावरण संबंधी चिंताओं को दूर करने में मदद मिली है। शाह ने चीनी मिलों के लिए दूरदर्शी दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा, आपको भविष्यदर्शी होने और अवसरों को देखने तथा विस्तार करने की आवश्यकता है। ... एथनॉल कई स्रोतों से बनाया जा सकता है।

शाह ने सहकारी चीनी मिलों से आग्रह किया कि वे अपना रूढ़िवादी दृष्टिकोण त्यागें और मक्का तथा बांस जैसे वैकल्पिक कच्चे माल का उपयोग करें। शाह ने कहा कि मिश्रण के लिए लगभग 1,000 करोड़ लीटर एथनॉल की आवश्यकता है और इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचा मौजूद है। उन्होंने चीनी मिलों के आधुनिकीकरण और नई प्रौद्योगिकियों को अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया।

राहुल गांधी 'छल-कपट और झूठ' की राजनीति का पर्याय बन गए हैं : भाजपा

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शनिवार को नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर आरोप लगाया कि वह ''छल, कपट और झूठ की राजनीति का पर्याय बन गये हैं।'' भाजपा ने आरोप लगाया कि कर्नाटक और हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस पार्टी ने चुनावी वादों को पूरा नहीं किया है। यहां पार्टी मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने दावा किया कि कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने राज्य विधानसभा चुनाव के दौरान पार्टी द्वारा किए गए कुल 59 वादों में से सिर्फ दो को पूरा किया है।

भाटिया ने कहा, ''कर्नाटक के लोग ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। जहां-जहां कांग्रेस सत्ता में है, वहां के लोग ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। हिमाचल प्रदेश के लोग ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। राहुल गांधी छल, कपट, झूठ और धोखे की राजनीति का पर्याय बन चुके हैं।'' भाटिया ने कर्नाटक में किसानों की आत्महत्या का मुद्दा उठाते हुए गांधी पर निशाना साधा और कांग्रेस नेता पर वोट पाने के लिए ''दिखावे की राजनीति'' करने का आरोप लगाया। भाजपा प्रवक्ता ने कहा, ''उनके (राहुल गांधी) पास दिल्ली में किसानों के प्रतिनिधिमंडल से मिलने का समय है, लेकिन मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है कि कर्नाटक में 1,200 से अधिक किसान आत्महत्या कर चुके हैं। राहुल गांधी उनसे मिलने या कर्नाटक के मुख्यमंत्री को इन मामलों का संज्ञान लेने का निर्देश देने के लिए एक मिनट भी क्यों नहीं निकाल पाए?'' उन्होंने कहा, ''ऐसा इसलिए है क्योंकि गांधी की प्राथमिकताएं अलग हैं। यह चिंताजनक है कि वह कर्नाटक के लोगों को एक ऐसा मुख्यमंत्री देते हैं जो खुद भ्रष्टाचार को बढ़ावा दे रहा है। हम सभी एमयूडीए घोटाले के बारे में जानते हैं जिसमें अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति समुदाय के लोगों की जमीन मुख्यमंत्री की पत्नी को आवंटित की गई है।''

हिमंत बिश्व शर्मा ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर 'हमलों' को लेकर 'चुप्पी' पर कांग्रेस की आलोचना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिश्व शर्मा ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे ''हमलों'' के बारे में कांग्रेस की ''चुप्पी'' की शनिवार को आलोचना की और आरोप लगाया कि पार्टी गाजा के बारे में अधिक चिंतित है।

झारखंड में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के चुनाव सह-प्रभारी शर्मा आगामी विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी की संगठनात्मक बैठक में भाग लेने रांची आए हैं। बांग्लादेश की अशांति पर चिंता व्यक्त करते हुए शर्मा ने कहा कि वहां की स्थिति बहुत खराब है और उसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। उन्होंने विश्वास जताया कि केंद्र सरकार कूटनीतिक माध्यम से इस मुद्दे का समाधान करेगी और स्थिति धीरे-धीरे सुधरेगी। शर्मा ने बिरसा मुंडा हवाई अड्डे पर संवाददाताओं से कहा, ''अभी वहां (बांग्लादेश में) स्थिति बहुत खराब है।'' बांग्लादेश में हिंदुओं की दुर्दशा पर कथित रूप से चुप रहने के लिए कांग्रेस की आलोचना करते हुए असम के मुख्यमंत्री ने कहा, ''पार्टी के नेताओं ने गाजा में अल्पसंख्यकों के लिए विरोध प्रदर्शन किया, लेकिन बांग्लादेश में हिंदुओं के लिए उन्होंने कितनी बार आवाज उठाई? कांग्रेस ने दिखाया है कि वह दुनिया भर में समस्याओं का सामना कर रहे मुसलमानों के साथ खड़ी है, लेकिन हिंदुओं के साथ नहीं।''

बांग्लादेश से लोगों के पलायन पर शर्मा ने कहा कि केंद्र सरकार ने किसी को भी सीमा पार करने की अनुमति नहीं दी है। उन्होंने कहा, ''यह समाधान नहीं है। हम लोगों को सीमा पार करने की अनुमति नहीं दे सकते। इसका एकमात्र समाधान सभी राजनयिक माध्यम का इस्तेमाल करना और बांग्लादेश में उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना है।'' शर्मा ने यह भी दावा किया कि बांग्लादेश की सीमा से लगे पूरे पूर्वी क्षेत्र में हिंदू आबादी में गिरावट आई है। उन्होंने कहा, ''असम में हिंदू आबादी में 9.23 प्रतिशत की कमी आई है, जबकि बांग्लादेश में पिछले कुछ वर्षों में इसमें 13.5 प्रतिशत की कमी आई है।''

राहुल ने सोरेन को जन्मदिन की बधाई दी, बोले-'इंडिया' गठबंधन गरीबों के हक के लिए लड़ेगा और जीतेगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं और कहा कि विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस) गरीबों, वंचितों एवं आदिवासियों के हक की लड़ाई लड़ेगा तथा जीतेगा।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भी सोरेन को जन्मदिन की बधाई दी। उन्होंने पोस्ट में कहा, ''हम उनकी लंबी उम्र और अच्छे स्वास्थ्य की कामना करते हैं। 'इंडिया' गठबंधन देश में सामाजिक न्याय, आर्थिक सशक्तिकरण और समावेशी विकास के लिए मिलकर लड़ रहा है।'' झारखंड मुक्ति मोर्चा के कार्यकारी अध्यक्ष सोरेन शनिवार को 49 साल के हो गए। राहुल ने कहा, ''झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जी को जन्मदिन की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं। देश के गरीबों, वंचितों और आदिवासियों के हक की लड़ाई, और उन पर होने वाले हर अन्याय के खिलाफ 'इंडिया' डटकर लड़ेगा और जीतेगा।'' झारखंड में इस साल विस चुनाव होने हैं। कांग्रेस और झामुमो राज्य में सत्तारूढ़ गठबंधन का हिस्सा हैं। दोनों पार्टियां झारखंड में भाजपा नीत गठबंधन को पटखनी देकर राज्य में सत्ता बरकरार रखना चाहती हैं। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने भी सोरेन को जन्मदिन की बधाई दी। उन्होंने कहा, ''आदिवासियों-वंचित तबकों की प्रखर आवाज व झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। मैं उनके स्वस्थ, सफल और शतायु होने की कामना करती हूं।''

'सरकार को 'क्रीमी लेयर' संबंधी न्यायालय के फैसले को संसद के माध्यम से निरस्त करना चाहिए था'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने अजा (एससी) और अजजा (एसटी) के अंदर उप-वर्गीकरण और 'क्रीमी लेयर' संबंधी उच्चतम न्यायालय के फैसले के प्रति विरोध जताते हुए कहा कि सरकार को यह निर्णय आते ही इसे संसद के माध्यम से निरस्त करना चाहिए था। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी पर आरक्षण खत्म करने के प्रयास का आरोप लगाया और यह भी कहा कि किसी को क्रीमी लेयर के फैसले को मान्यता नहीं देना चाहिए तथा जब तक छुआछूत है, तब तक आरक्षण रहना चाहिए।

खरगे ने कहा, ''पिछले दिनों उच्चतम न्यायालय के सात न्यायाधीशों ने एक फैसला दिया है, जिसमें उन्होंने एसी-एसटी वर्ग के लोगों के उप-वर्गीकरण के साथ ही क्रीमी लेयर की भी बात की है। भारत में दलित समुदाय के लोगों के लिए आरक्षण बाबासाहेब के 'पूना पैक्ट' के माध्यम से मिला था। बाद में पंडित जवाहरलाल नेहरू जी और महात्मा गांधी जी द्वारा आरक्षण नीति को जारी रखा गया।'' राजनीतिक आरक्षण के साथ ही शिक्षा और रोजगार में भी आरक्षण एक जरूरी मुद्दा था, लेकिन अब एससी-एसटी के लोगों को क्रीमी लेयर का कहकर आरक्षण से बाहर निकालना, उनके ऊपर एक बड़ा प्रहार है। खरगे ने आरोप लगाया कि भाजपा का इरादा आरक्षण खत्म करने का है। उन्होंने कहा, ''आज सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों को निजी हाथों में सौंपकर सरकारी नौकरी और आरक्षण खत्म किया जा रहा है। एक तरफ देश में लाखों सरकारी नौकरियां हैं, जिनमें भर्तियां नहीं की जा रही हैं, दूसरी तरफ आप क्रीमी लेयर लाकर दलित समाज को कुचल रहे हैं। मैं इसका विरोध करता हूं।'' एसटी-एसटी का जो मुद्दा उठा है, उसमें दलितों-वंचितों के बारे में नहीं सोचा गया। जब तक देश में छुआछूत है, तब तक आरक्षण रहना चाहिए और रहेगा। उसके लिए हम लड़ते रहेंगे। मेरी अपील है कि सभी मिलकर इस क्रीमी लेयर के फैसले को मान्यता न दें। कर्नाटक में आज भी ऐसे गांव हैं, जहां लोगों को अंदर आने नहीं दिया जाता। जब तक देश में ऐसी चीजें चल रही हैं, आप आरक्षण खत्म नहीं कर सकते।

नीतीश कुमार ने आरएसएस, भाजपा को बिहार में अपना आधार बढ़ाने में मदद की: तेजस्वी

पटना/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की 'विभाजनकारी' राजनीतिक ताकतों के साथ हाथ मिलाने के लिए आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के प्रमुख ने राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ (आरएसएस) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को राज्य में अपना आधार मजबूत करने में मदद की है।

यादव ने राजद कार्यालय में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा, भाजपा समाज में नफरत फैला रही है जबकि हमें गरीबी, महंगाई, बेरोजगारी और विकास जैसे मुद्दों पर चर्चा करनी चाहिए। उन्होंने कहा, भाजपा जाति, पंथ और धर्म के नाम पर देश को बांटने की कोशिश कर रही है। नीतीश ने इन विभाजनकारी ताकतों के साथ हाथ मिला लिया है और बिहार में अपना आधार बढ़ाने में आरएसएस और भाजपा का लगातार समर्थन किया है। यादव ने भाजपा पर राज्य और पूरे देश में सांप्रदायिक तनाव पैदा करने की कोशिश करने का आरोप लगाया।

गाजियाबाद : झुग्गियों में रहने वालों को बांग्लादेशी घुसपैठिया बताकर एक समूह ने किया हमला

गाजियाबाद/भाषा। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले में एक हिंदूवादी समूह ने रेलवे स्टेशन के पास झुग्गियों में रहने वाले लोगों को बांग्लादेशी घुसपैठिया बताते हुए शनिवार को उन पर हमला किया और उनके ठिकानों को नष्ट कर दिया। अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि इस घटना के सिलसिले में हमलावर समूह के नेता समेत अन्य लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है। पुलिस ने यह भी दावा किया है कि जिन पर हमला किया गया है, वे बांग्लादेशी नहीं बल्कि प्रदेश के ही निवासी हैं। पुलिस के अनुसार शुक्रवार को गुलधर रेलवे स्टेशन के पास झुग्गियों में रहने वाले कुछ लोगों को हिंदू रक्षा दल के अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी 'पिंकी' और उनके 20 समर्थकों ने बांग्लादेशी होने का आरोप लगाते हुए बुरी तरह पीटा और उपद्रवी समर्थकों ने उनकी झुग्गियों में तोड़फोड़ की। गाजियाबाद के पुलिस आयुक्त अजय कुमार मिश्रा ने बताया, झोपड़ियों में रहने वाले लोग बांग्लादेश के नहीं हैं, बल्कि शाहजहांपुर के हैं।

माया‌वती ने एससी-एसटी मामले में न्यायालय के फैसले पर 'कांग्रेस की चुप्पी' को लेकर सवाल उठाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने उच्चतम न्यायालय के एक अगस्त के उस फैसले पर 'कांग्रेस की चुप्पी' पर सवाल उठाया, जिसमें राज्यों को अनुसूचित जाति-अनुसूचित जनजाति (एससी-एसटी) के बीच 'क्रीमी लेयर' की पहचान करने के लिए एक नीति बनाने का निर्देश दिया गया है। मायावती ने कहा कि आरक्षण को 'निष्प्रभावी' बना दिया गया है जिसे 'प्रभावी' बनाया जाना चाहिए और इसके लिए जल्द ही संसद का सत्र बुलाया जाना चाहिए।

लखनऊ में पत्रकारों से बातचीत में बसपा प्रमुख ने कहा कि भाजपा सरकार और बाकी (राजनीतिक) दलों को इस मुद्दे पर अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए। उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति बीआर गवई ने एक अगस्त को कहा था कि राज्यों को एससी-एसटी के बीच 'क्रीमी लेयर' की पहचान करने के लिए एक नीति बनानी चाहिए और उन्हें आरक्षण के लाभ से वंचित करना चाहिए। मायावती ने कहा, ''एससी-एसटी आरक्षण पर उच्चतम न्यायालय के एक अगस्त के फैसले पर कांग्रेस अब तक चुप क्यों है? कांग्रेस उन राज्यों में अपना रुख क्यों स्पष्ट नहीं कर रही है, जहां उसकी सरकार है? दूसरे शब्दों में, यह पार्टी (कांग्रेस) वहां भी चुप क्यों बैठी है? या क्या ये कहा जाए कि कांग्रेस पार्टी इस फैसले को स्वीकार करती है और इस पर अमल करती है?'' उन्होंने दिल्ली और पंजाब में सरकार चला रही आम आदमी पार्टी से भी अपना रुख स्पष्ट करने को कहा।

'मेघालय शिक्षा बोर्ड 2025 से कक्षा 10 की दो बार परीक्षाएं आयोजित करेगा'

शिलांग/भाषा। मेघालय स्कूल शिक्षा बोर्ड अगले साल से कक्षा 10 की दो बार परीक्षाएं आयोजित करेगा। राज्य के शिक्षा मंत्री रक्कम ए संगमा ने यह जानकारी दी। संगमा ने बताया कि शिक्षा बोर्ड 2025 से हर साल कक्षा 10 की दो परीक्षाएं आयोजित करेगा। उन्होंने कहा कि इसके लिए मेघालय स्कूल शिक्षा बोर्ड के विनियमन में संशोधन के प्रस्ताव को राज्य मंत्रिमंडल ने शुक्रवार को मंजूरी दे दी।

साल में दो बार परीक्षाएं आयोजित करने का यह कदम बोर्ड परीक्षा में उत्तीर्ण न होने वाले छात्रों को दूसरा अवसर प्रदान करने के लिए है। संगमा ने कहा कि इससे संबंधित पहली परीक्षा फरवरी या मार्च की शुरुआत में होगी और दूसरी परीक्षा मई में होगी जिसमें सभी या कुछ विषयों में फेल होने वाले छात्रों को मौका मिलेगा। शिक्षा मंत्री ने कहा कि यह कदम राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के कार्यान्वयन के अनुरूप है और इसे प्रयासों के बीच बर्बाद होने वाले समय को कम करके छात्रों की सहायता करने के लिए बनाया गया है।

यह जीत आपकी दृढ़ता, टीम वर्क, जज्बे का प्रमाण है: खेल मंत्री ने हॉकी टीम से कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय हॉकी टीम को शनिवार को यहां सम्मानित करते हुए उनकी दृढ़ता और अदम्य जज्बे की सराहना की।

हरमनप्रीत सिंह की अगुवाई में भारत ने स्पेन को 2-1 से हराकर लगातार दूसरी बार ओलंपिक कांस्य पदक जीता। खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने यहां जारी मीडिया विज्ञप्ति में कहा, ''आपने भारत को बहुत गौरव दिलाया है और लाखों युवा खिलाड़ियों को अपने सपनों को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया है।''

मांडविया ने खिलाड़ियों के समर्पण और कड़ी मेहनत की सराहना करते हुए कहा कि वैश्विक मंच पर उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन ने पूरे देश को गर्व से भर दिया है।

मांडविया ने कहा, ''पूरे देश को आपकी उपलब्धि पर गर्व है।'' उन्होंने कहा, '' यह जीत आपकी दृढ़ता, टीम वर्क और अदम्य जज्बे का प्रमाण है। आपने भारत को बहुत गौरव दिलाया है और लाखों युवा एथलीटों को अपने सपने पूरे करने के लिए प्रेरित किया है।''

केंद्रीय मंत्री ने टीम की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले कोचिंग स्टाफ और सहयोगी टीम के अथक प्रयास की भी सराहना की। उन्होंने भारत में हॉकी को और अधिक बढ़ावा देने के साथ देश की खेल प्रतिभा को निखारने के लिए सभी आवश्यक सहायता प्रदान करने की सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा, ''हॉकी हमारे लिए सिर्फ एक खेल से कहीं अधिक है। यह हमारे राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक है। टीम द्वारा प्रदर्शित कड़ी मेहनत, प्रतिबद्धता और जुनून के कारण यह ऐतिहासिक सफलता मिली है।''

मांडविया ने कहर, ''आपने दुनिया को दिखाया है कि संकल्प और बुलंद हौसले से क्या हासिल किया जा सकता है।''

खिलाड़ियों के साथ बातचीत के दौरान मांडविया ने उन्हें उत्कृष्टता के लिए प्रयास जारी रखने और भविष्य में और भी बड़ी उपलब्धियों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रोत्साहित किया।

आपका जीवन प्रेरणादायक है: ओलंपिक कांस्य पदक विजेता पहलवान अमन सेहरावत से मोदी ने कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने पर पहलवान अमन सेहरावत की शनिवार को सराहना की और कहा कि उनका जीवन दूसरों के लिए प्रेरणादायक है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 21 वर्षीय पहलवान को फोन पर बधाई देते हुए कहा कि वह इस ओलंपिक खेलों में पदक जीतने वाले भारतीय खिलाड़ियों में सबसे कम उम्र के है और उनकी यह उपलब्धि लंबे समय तक देश को खुशी देती रहेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, ''आपका जीवन देश के लोगों के लिए प्रेरणादायक है।''

नरेंद्र मोदी ने कहा कि सेहरावत ने कम उम्र में अपने माता-पिता को खो दिया था और उन्होंने खुद को कुश्ती के लिए समर्पित कर दिया।

सेहरावत ने उन्हें दी गई सभी सुविधाओं के लिए प्रधानमंत्री को धन्यवाद दिया और अगले ओलंपिक खेलों में स्वर्ण पदक जीतने का भरोसा जताया।

सेहरावत ने शुक्रवार को पेरिस ओलंपिक खेलों में पुरुषों के 57 किग्रा फ्रीस्टाइल वर्ग में प्यूर्टो रिको के डेरियन क्रूज को हराकर कांस्य पदक जीता।

अंडर-23 विश्व चैंपियन पेरिस खेलों के लिए क्वालीफाई करने वाले एकमात्र भारतीय पुरुष पहलवान थे और उन्होंने निराश नहीं किया। सेहरावत ने कांस्य प्ले-ऑफ में 13-5 से जीत हासिल की।

सुविचार

आप कभी भी अपना अतीत बदल नहीं सकते, पर एक सफल आदमी बनने के लिए, अपना भविष्य जरूर बना सकते हैं।

ट्वीट

'विश्व शेर दिवस' की देशवासियों एवं विश्वभर के सभी वन्य जीव प्रेमियों को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं। शेर हमारी खाद्य शृंखला के शीर्ष जीव हैं, जिनका अस्तित्व पारिस्थितिकी के संतुलन से जुड़ा है। वैश्विक स्तर पर शेरों की घटती आबादी आज सभी के लिए चिंता का विषय है।

-ओम बिरला

आज सलूंबर विधानसभा से भाजपा विधायक व जनप्रिय नेता श्री अमृतलाल मीणा जी के देवलोकगमन के पश्चात उनके निज निवास पर शोकसभा मे सम्मिलित होकर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित कर शोक संतप्त परिवारजनों को ढांढस बंधाया।

-दीया कुमारी

कहानी

सच का आइना

देखो हेली ! इन सबके पीछे जरुर उसकी कोई मजबूरी रही होगी। कम से कम एक बार मेरी खातिर उससे मिल लो। डॉ. सतीश के काफी समझाने के बाद हेली सुबोध से मिलने को तैयार हो गयी। वार्ड में प्रवेश करते ही हेली की निगाहें उसके बिस्तर पर बैठी एक बच्ची पर टिक गयी। उसके पांव ठिठक गये। डॉ. सतीश बोले- रुको मत हेली! आगे बढ़ो और वास्तविकता को जानो।

पुष्पेश कुमार 'पुष्प'
मोबाइल : 9135014901

'हेली आरोग्य केंद्र' का बोर्ड देखते ही डॉ. सतीश के पांव ठिठक गये। वे धीरे-धीरे नर्सिंग होम के भीतर प्रवेश कर गये। भीतर का दृश्य देखकर वे चकित रह गये। उन्हें अपनी आंखों पर विश्वास नहीं हो रहा था। डॉ. हेली मरीजों की सेवा में पूरी तन्मयता से लगी थी। नर्सिंग होम गरीबों की सेवा के लिए समर्पित था और यह नर्सिंग होम लोगों के लिए प्रेरणास्रोत बन गया था। यह शहर का इकलौता नर्सिंग होम था, जहां गरीबों का मुफ्त में इलाज होता था। यही कारण था कि डॉ. हेली लोगों की नजरों में दया और करुणा की देवी बन गयी थी। डॉ. सतीश सोच में पड़ गये कि यह वही हेली है, जिसे दर्द से तड़पते, चीखते-चिल्लाते मरीजों को देखकर बड़ा मजा आता था। मरीज दर्द से तड़पत रहते। चीखते-चिल्लाते रहते और हेली वहां खड़ी मंद-मंद मुस्कुराती रहती मानो उनके चीखने-चिल्लाने से उसे परम आनंद की अनुभूति हो रही हो। डॉ. सतीश की समझ में यह बात नहीं आ रही थी कि हेली डॉक्टर बनने के बजाय नर्स क्यों बन गयी? तड़पते मरीजों को देखकर उसे आनंद की अनुभूति क्यों होती है? न जाने कितने सवाल डॉ. सतीश के मन-मस्तिष्क में कौंध रहे थे। हेली उनके लिए अबूझ पहेली बन गयी थी। वह जितना उसकी जिंदगी की पहेली को सुलझाने का प्रयास करते, वह उतना ही उलझती जा रही थी। डॉ. सतीश हेली के नर्सिंग में खड़े उसके अतीत में खो गये। उस दिन दुर्घटना में बुरी तरह से घायल एक व्यक्ति को लाया गया था। वह दर्द से छटपटा रहा था। चीख-चिल्ला रहा था। आस-पास खड़े लोगों और नर्सों से उसका दर्द देखा नहीं जा रहा था। स्वयं डॉ. सतीश से भी उसका दर्द देखा नहीं जा रहा था। डॉ. सतीश हेली को उसके दर्द दूर करने के लिए एक सुई लगाने को कहा, ताकि वह इस असहनीय पीड़ा से मुक्त हो आराम की नींद सो सके, लेकिन हेली हाथ में सुई लिए हुए मंद-मंद मुस्कुरा रही थी। यह देखकर डॉ. सतीश बोले- हेली ! क्या तुम में जरा भी दया और करुणा नहीं है। तुम इतनी कठोर क्यों हो? देखो तो बेचारा कैसे दर्द से तड़प रहा है? तुम इतनी निष्ठुर क्यों बन जाती हो?

लेकिन हेली उनकी बातों को अनसुना कर दी। अंत में डॉ. ने मीरा से कहा - हेली के हाथ से सुई ले लो और फौरन मरीज को लगाओ। और मीरा ने हेली के हाथ से सुई ले ली। हेली बिना कुछ बोले अजीब निगाहों से उस मरीज को देखते हुए निकल गयी। डॉ. सतीश यह समझ नहीं पा रहे थे कि हेली को मरीज को तड़पाने में मजा क्यों आता है? इतनी सुकोमल और साक्षात सौंदर्य की देवी इतनी निर्दयी कैसे हो सकती है? उसकी आंखों में किसी के लिए दया-करुणा का भाव क्यों नहीं उमड़ता? दर्द से तड़पते मरीज को देखकर उसका हृदय पसीजता क्यों नहीं? आज तक किसी के लिए उसकी आंखों में आंसू नहीं देखा। आखिर उसकी आंखों के आंसू क्यों सूख गये? ऐसा कौन-सा दर्द है, जो उसे पत्थर की प्रतिमा बना दिया है? उसे दर्द से इतना प्यार क्यों है? न जाने कितने सवाल उनके मन-मस्तिष्क में कौंध रहे थे। वे उसे कई बार अपने केबिन में बुलाकर यह सब जानना चाहा, लेकिन वह इन सवालों का कोई उत्तर नहीं देती।

शाम को एक गंभीर मरीज भर्ती हुआ था। उसकी हालत बहुत खराब थी। उसकी यह हालत देखकर हेली की आंखों में चमक आ गयी थी। उसकी गुलाबी होंठों पर मुस्कान थिरकने लगी। इस समय उसकी खूबसूरती देखते ही बनती थी। तभी मरीज की चीख-पुकार सारे वार्ड में गूंज गयी। डॉ. सतीश का हृदय पसीजने लगा। अन्य नर्सों की आंखों में आंसू आ गये, लेकिन हेली को तो उसकी चीख पुकार में मानो संगीत की मधुर ध्वनियां सुनाई दे रही थी। वह परम आनंद की अनुभूति में खो गयी थी। डॉ. सतीश से उस मरीज का दुख देखा नहीं जा रहा था, तो हेली पत्थर की बुत बनी खड़ी थी। डॉ. की समझ में यह बात नहीं आ रही थी कि वह हेली की तुलना किससे करें? उसके इस कृत्य को क्या नाम दें? उसे इंसान कहें या शैतान? मरीज की नाजुक हालत देखते हुए डॉ. और नर्सें उसके इलाज में जुट गये। हेली एक तीखी मुस्कान बिखरेती वहां से निकल गयी। अगले दिन डॉ. सतीश ने हेली से पूछ ही लिया - हेली ! तुम दर्द से तड़पते किसी मरीज को देखकर खुश क्यों हो जाती हो? तुम इतनी सुकोमल होने के बावजूद तुम्हारा हृदय इतना कठोर क्यों है? इतना गंभीर केस शायद तुमने पहली बार ही देखा होगा, फिर भी तुम्हारी आंखों में दया के बजाय कठोरता क्यों आ गयी?

हेली मुस्कुराकर बोली - डॉक्टर ! मुझे दर्द से प्रेम है। मैं जब किसी को दर्द से तड़पते देखती हूं, तो बड़ा मजा आता है। उसकी चीख-पुकार में मुझे संगीत की मुधर ध्वनियां सुनाई देती है। उसकी तड़प मेरे दिल को सुकून देती है। जब मैं उसे निहारती हूं, तो मेरे हृदय की ज्वाला को ठंडक मिलती है। उसकी तड़प में मुझे खुशी मिलती है। मुझे लगता है कि वह मरीज एक-दो दिन से अधिक जीवित नहीं रह पाएगा। तुम एकदम निष्ठुर हो। तुम्हारे दिल में जरा भी दया नहीं है। एक नर्स के मुंह से ऐसी बातें शोभा नहीं देती। एक नर्स का परम कर्तव्य है मरीज की सेवा करना। उसके दुख को दूर करना। उसे मौत के मुंह से बाहर निकलना न कि उसे मौत के मुंह में ढकेल देना। तुम्हारे हृदय में तो मानवता जैसी कोई चीज है ही नहीं, है तो दानवता, कटुता और कठोरता। यह एक नर्स का धर्म नहीं। जब तुम्हारे हृदय में दया और करुणा का भाव नहीं उमड़ता तो नर्स की नौकरी क्यों की? तुम्हें ऐसी जगह नौकरी करनी चाहिए थी, जहां निष्ठुरता ही निष्ठुरता हो। तुम इस पेशे को कलंकित मत करो। डॉ. सतीश गंभीर स्वर में बोला।

उनकी बातें सुनकर हेली जोर-जोर से हंसने लगी और काफी प्रयास के बाद अपनी हंसी को रोकते हुए बोली- डॉक्टर ! मैं सही जगह नौकरी कर रही हूं। मैं ऐसी ही नौकरी की खोज में थी, जहां दर्द ही दर्द हो। जहां आंसू ही आंसू हो। जहां रोज मौत का तांडव होता हो। जहां घावों का मंजर हो। अहा ! ऐसी नौकरी पाकर मैं धन्य हो गयी। इन चीखते और तड़पते लोगों की दुनिया में आनंद ही आनंद है। और अट्टहास कर उठी, जिसकी गूंज चारों दिशाओं में गूंज गयी। उसकी कटु बातें सुनकर डॉ. सतीश का गुस्सा सातवें आसमान पर चढ़ गया। डॉ. सतीश काफी तेज स्वर में बोले- हेली ! तुम मानवता को कलंकित मत करो और अपनी नौकरी से इस्तीफा दे दो। क्यों मानवता को शर्मसार करने पर तुली हो? मुझे दर्द और तड़प से प्रेम हो गया है। मैं इसके बगैर नहीं जी पाऊंगी। मैं इस्तीफा नहीं दूंगी, डॉक्टर। इतना कहकर हेली डॉक्टर के केबिन से निकल गयी। अगले दिन डॉ. सतीश राऊंड पर आते ही बोले - हेली ! कल सुबोध का आपरेशन है। तुम साथ रहोगी न। जरा सुबोध का हाल-चाल जान लिया करो। सुबोध का नाम सुनते ही हेली गुस्से से कांप गयी और बोली - क्या एक सुबोध ही वार्ड में है, जो उसका हाल-चाल पूछती रहूं। और कल मैं आपके साथ आपरेशन में नहीं रहूंगी। मेरी तबियत खराब है। मैं छुट्टी पर रहूंगी। यह सुनते ही डॉ. सतीश को अंधकार में प्रकाश की एक किरण दिखाई दी। आखिर सुबोध का नाम सुनते ही हेली को गुस्सा क्यों आ गया? जरुर कोई न कोई बात है। वे हेली को अपने केबिन में ले गये और काफी शांत स्वर में बोले - हेली ! तुम इतनी निष्ठुर नहीं हो सकती। तुम्हारी आंखें बताती है कि तुम्हारे जीवन में ऐसा कुछ हुआ है, जो तुम्हें इतना निष्ठुर बना दिया है। सच क्या है? अपने हृदय के किसी कोने में दबाये दर्द को निकाल दो। मैं तुम्हारे जीवन के रहस्य पर से परदा उठाना चाहता हूं। मुझे पराया नहीं समझो। शायद मैं तुम्हारे दर्द को कुछ कम कर सकूं, तो मेरे हृदय को सुकून मिलेगा।

डॉ. सतीश की बातों को सुनकर हेली बिना कुछ बोले उन्हें एकटक देखने लगी मानो वह शून्य में खो गयी हो। डॉ. सतीश फिर बोले - हेली ! तुमने मेरे प्रश्नों का उत्तर नहीं दिया। हेली चुप ही रही और डॉ. सतीश के काफी समझाने के बाद बोली - डॉक्टर! मैं इतनी कठोर नहीं थी। मैं किसी को दर्द से तड़पते नहीं देख सकती थी। लेकिन और उसके शब्द अधूरे रह गये। उसकी आंखों से आंसुओं की बूंदें टपकने लगी। डॉ. सतीश उसके बहते आंसुओं को अपने रुमाल से पोंछते हुए बोले - लेकिन क्या, हेली? मैं सुबोध से प्यार करती थी। वह भी मुझसे बहुत प्यार करता था। हम दोनों ने साथ जीने-मरने की कसमें खायी थी। मैं अपना सब कुछ उसे सौंप दी थी। वह मेरे तन का उपयोग करता रहा और एक दिन वह मेरी जिंदगी से दूर चला गया। उसके आने के इंतजार में मैं पलकें बिछाये बैठी रही, लेकिन वह लौटकर नहीं आया। मेरा दिल टूट गया। मेरे सारे सपने टूटकर बिखर गये। उसने मेरे विश्वास को तोड़ा था। उसने मेरे जज्बात के साथ खेला। मैं जिंदा होकर भी जिंदा लाश बन गयी। मुझे प्यार में धोखा मिला। मैं सुबोध को जितना भुलाने का प्रयास करती वह उतना ही याद आता था। मैं भीतर से टूट गयी थी। मुझे इंसानों से घृणा होने लगी। मैं प्रतिशोध की ज्वाला में धधकने लगी। मेरा हृदय कठोर हो गया। अब मुझे न तो किसी पर विश्वास था और भरोसा। मैंने निश्चय कर लिया था कि अब किसी पर दया और ममता नहीं करुंगी। दर्द और तड़प से प्यार करुंगी। हर किसी को तड़पाऊंगी, ताकि मेरे दिल में धधकती अग्नि को ठंडक मिल सके। इतना कहकर हेली अपने हाथ से चेहरे को छिपाकर रोने लगी।

डॉ. सतीश हेली की बात सुनकर सन्न रह गये और फिर बोले- हेली! सचमुच तुम्हारे साथ गलत हुआ। सुबोध को ऐसा नहीं करना चाहिए था। लेकिन हर कोई तुम्हारा गुनाहगार नहीं था। फिर तुम हर किसी से क्यों नफरत करने लगी? गलती कोई करें और सजा हर किसी को दो। यह तो ठीक बात नहीं। किंतु तुमने कैसे सोच लिया कि उसने तुम्हें प्यार में धोखा दिया है? शायद उसकी कोई मजबूरी रही होगी। एक बार तुम्हें यह जानने का प्रयास करना चाहिए था। समय और परिस्थिति इंसान से क्या कुछ नहीं करवा देती। एक बार सच जानने का प्रयास तो करो। अब सुबोध का इस दुनिया है ही कौन! सिवाय एक बेटी हेली के अलावा। क्या? वह चौंककर बोली। हां हेली ! अब उसका इस दुनिया में हेली के अलावा और कोई नहीं है। चलो उससे मिल लो। एक बार तो उसके मुंह से सच सुन लो। डॉ. सतीश काफी दुखी स्वर में बोले। नहीं ! नहीं ! मैं उसकी शक्ल भी देखना नहीं चाहती। हेली बोली।

देखो हेली ! इन सबके पीछे जरुर उसकी कोई मजबूरी रही होगी। कम से कम एक बार मेरी खातिर उससे मिल लो। डॉ. सतीश के काफी समझाने के बाद हेली सुबोध से मिलने को तैयार हो गयी। वार्ड में प्रवेश करते ही हेली की निगाहें उसके बिस्तर पर बैठी एक बच्ची पर टिक गयी। उसके पांव ठिठक गये। डॉ. सतीश बोले- रुको मत हेली ! आगे बढ़ो और वास्तविकता को जानो।

हेली सुबोध के पास जाकर खड़ी हो गयी और उसे अपलक नेत्रों से देखने लगी। तभी सुबोध की निगाहें हेली पर जा टिकी। वह बोला- हेली ! तुम यहां ! तुम्हें देखने के लिए मेरी आंखें तरस गयी थी। तुम जरुर यह समझ रही होगी कि मैं तुम्हें धोखा देकर भाग गया। मैं समय और परिस्थियों के आगे विवश था। मेरी मां की तबियत अचानक खराब हो गयी। उनकी हालत दिन पर दिन बिगड़ती ही जा रही थी। मेरा वहां जाना जरुरी था। मां की इच्छा थी कि मैं उनकी पसंद की लड़की से शादी करुं और उन्होंने किसी लड़की को अपनी बहू बनाने का वचन दे दिया था। वह लड़की भी मुझ पर फिदा हो गयी। मैंने दोनों को समझाने का बहुत प्रयास किया, लेकिन मेरी एक भी न चली। उसकी लड़की ने स्पष्ट शब्दों में कह दिया था कि यदि मैंने उससे शादी नहीं की, तो वह जहर खाकर अपनी जान दे देगी। इधर मां की जिद अलग। मेरे न कहने से वह लड़की आत्महत्या कर लेती, तो मां की इच्छा अधूरी रह जाती। मैं विवश हो गया। उस लड़की की जान बचाने और अपनी मां की जिद के आगे अपने प्यार की कुर्बानी दे दी। लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था। शादी के कुछ दिन बाद ही मां गुजर गयी और मेरी पत्नी इस बच्ची को जन्म देते ही इस संसार से विदा हो गयी। उसके बाद मैं अकेला हो गया। मैंने तुम्हें बहुत खोजा, पर तुम्हारा कुछ पता नहीं चला। मैंने जानबूझकर तुम्हारी भावना को ठेस नहीं पहुंचाया। न मेरा मकसद तुम्हें धोखा देना था। मैं परिस्थिति के आगे विवश था। मुझे माफ कर देना, हेली। आह! तुमसे मुलाकात हो गयी। अब मैं चैन से मार सकूंगा। मैं अपने प्यार को जिंदा रखने के लिए ही अपनी बेटी का नाम हेली रखा। यदि मुझे कुछ हो गया, तो इस बच्ची को अपना लेना। कसूर मैंने किया है, इस मासूम-सी बच्ची का क्या दोष? अब मैं चैन से मर ....।

इतना सुनते ही हेली ने उसके मुंह पर अपना हाथ रख दिया। उसकी आंखों में आंसू आ गये। वह बोली- ऐसा न कहो, सुबोध ! जीने की तमन्ना नहीं थी, लेकिन तुम्हारी बातों में सच्चाई है। तुमने किसी की जिंदगी बचाने के लिए अपने प्यार तक को कुर्बान कर दिया। तुम महान हो। गलत तो मैं थी जो बिना सच जाने प्रतिशोध की ज्वाला में जलने लगी और हर इंसान से घृणा करने लगी। अब मुझे अपनी गलती का एहसास हो गया है। तुम्हें कुछ नहीं होगा। तुम मेरी जिंदगी हो और रहोगे। अब मैं अपनी जिंदगी की नयी शुरुआत करुंगी। अब मुझमें जीने की इच्छा जाग उठी है। मैं जीऊंगी इस बच्ची के लिए। मुझे जीने का मकसद मिल गया है। और हेली ने उस बच्ची को अपने सीने से लगा लिया। हेली अपनी जिंदगी की नयी शुरुआत करने के लिए सुबोध के साथ इस शहर से दूर चली गयी।

हेली आज डॉक्टर बन मानवता की सेवा में लगी है। जिस हेली को इंसानों से घृणा थी। उस हेली में मानो दया और करुणा की बाढ़ उमड़ आयी हो। उस हेली में तो मानवता ही मानवता दिख रही है। हेली कितनी बदल गयी। समय और परिस्थिति ने हेली को क्या से क्या बना दिया?तभी हेली ने डॉ. सतीश का ध्यान भंग किया - डॉक्टर ! आप यहां । हां, इस शहर से गुजर रहा था, तो बोर्ड देखकर यह जानने के लिए रुक गया कि क्या यह वही हेली है, जिसे मरीजों को तड़पाने में मजा आता था? कभी हेली में कठोरता और निर्दयता थी, तो आज उसी हेली में दया और करुणा का भाव उमड़ आया। तुम कितनी बदल गयी, हेली। समय और परिस्थिति ने तुम्हें क्या बना दिया? तुम्हारे इस बदले स्वरुप को देखकर मेरा मन प्रसन्नता खिल उठा। ऐसे ही मरीजों कि सेवा करती रहो। डॉ. सतीश उत्साहित स्वर में बोले। यदि आपने मुझे सच का आइना नहीं दिखाया होता, तो यह हेली लोगों की नजरों में घृणा की पात्र बन जाती। मेरी जिंदगी को आपने संवार दिया। मैं तो रास्ता भटक गयी थी। आपने ही मुझे सही रास्ता दिखाया। आज हेली जो भी है, वह आपकी बदौलत। अन्यथा मेरी जिंदगी क्या होती, मैं स्वयं नहीं जानती? मेरी जिंदगी में दर्द के अलावा था ही क्या? मैं अपने प्यार को खोकर कितनी कठोर बन गयी थी। जिंदगी में नैतिकता और मानवता का पाठ तो आपने ही पढ़ाया। आज मेरी जिंदगी खुशियों से सराबोर हो गयी। यह कहते हुए हेली की आंखों में आंसू आ गये। अंदर चलकर बैठिये। हेली अपने आंसू पोछते हुए बोली। तुम ऐसे ही मुस्कुराती रहो। जिंदगी में उतार-चढ़ाव आते ही रहते हैं, उससे डटकर मुकाबला करना। हिम्मत मत हारना। जिंदगी में प्यार की ऐसे ही खुशबू फैलाती रहो, जिसकी खुशबू से हर कोई सराबोर हो जाए। यही ईश्वर से कामना करता हूं। अभी चलता हूं। फिर कभी आऊंगा। यह कहते हुए डॉ. सतीश की आंखों में खुशी के आंसू छलक आये। वे अपने आंसू पोछते हुए नर्सिंग होम के बाहर निकल गये। हेली अपलक नेत्रों से उन्हें जाते हुए देख रही थी।

संजय उवाच

संजय भारद्वाज
9890122603
writersanjay@gmail.com

शिवोऽहम...(3)

निर्वाण षटकम का हर शब्द मनुष्य के अस्तित्व पर हुए सारे अनुसंधानों से आगे की यात्रा कराता है। इसका सार मनुष्य को स्थूल और सूक्ष्म की अवधारणा के परे ले जाकर ऐसे स्थान पर खड़ा कर देता है जहाँ ओर से छोर तक केवल शुद्ध चैतन्य है। वस्तुत: लौकिक अनुभूति की सीमाएँ जहाँ समाप्त होती हैं, वहाँ से निर्वाण षटकम जन्म लेता है। तृतीय श्लोक के रूप में जगद्गुरु आदि शंकराचार्य का परिचय और विस्तृत होता है,

न मे द्वेषरागौ न मे लोभमोहौ
मदो नैव मे नैव मात्सर्यभाव:
न धर्मो न चार्थो न कामो न मोक्ष:
चिदानन्दरूप: शिवोऽहम शिवोऽहम।।3।।

अर्थात न मुझे द्वेष है, न ही अनुराग। न मुझे लोभ है, न ही मोह। न मुझे अहंकार है, न ही मत्सर या ईर्ष्या की भावना। मैं धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष से परे हूँ। मैं सदा शुद्ध आनंदमय चेतन हूँ, मैं शिव हूँ , मैं शिव हूँ।

राग मनुष्य को बाँधता है जबकि द्वेष दूरियाँ उत्पन्न करता है। राग-द्वेष चुंबक के दो विपरीत ध्रुव हैं। चुंबक का अपना चुंबकीय क्षेत्र है। अनेक लोग, समान और विपरीत ध्रुवों के निकट आने से उपजने वाले क्रमश: विकर्षण और आकर्षण तक ही अपना जीवन सीमित कर लेते हैं। यह मनुष्य की क्षमताओं की शोकांतिका है।

इसी तरह मोह ऐसा खूँटा होता है जिससे मनुष्य पहले स्वयं को बाँधता है और फिर मोह मनुष्य को बाँध लेता है। लोभ मनुष्य को सीढ़ी दर सीढ़ी मनुष्यता से नीचे उतारता जाता है। इनसे मुक्त हो पाना लौकिक से अलौकिक होने, तमो गुण से वाया रजो गुण, वाया सतो गुण, गुणातीत होने की यात्रा है।

एक दृष्टांत स्मरण हो आ रहा है। संन्यासी गुरुजी का एक नया-नया शिष्य बना। गुरुजी दैनिक भ्रमण पर निकलते तो उसे भी साथ रखते। कोई न कोई शिक्षा भी देते। आज भी मार्ग में गुरुजी शिष्य को अपरिग्रह की शिक्षा देते चल रहे थे। संन्यास और संचय का विरोधाभास समझा रहे थे। तभी शिष्य ने देखा कि गुरुजी एक छोटे-से गड्ढे के पास रुक गये, मानो गड्ढे में कुछ देख लिया हो। अब गुरुजी ने हाथ से मिट्टी उठा-उठाकर उस गड्ढे को भरना शुरू कर दिया। शिष्य ने झाँककर देखा तो पाया कि गड्ढे में कुछ स्वर्णमुद्राएँ पड़ी हैं और गुरुजी उन्हें मिट्टी से दबा रहे हैं। शिष्य के मन में विचार उठा कि अपरिग्रह की शिक्षा देनेवाले गुरुजी के मन में स्वर्णमुद्राओं को सुरक्षित रखने का विचार क्यों उठा? शिष्य का प्रश्न गुरुजी पढ़ चुके थे। हँसकर बोले, पीछे आनेवाले किसी पथिक का मन न डोल जाए, इसलिए मैं मिट्टी पर मिट्टी डाल रहा हूँ।

मिट्टी पर मिट्टी डालने की लौकिक गतिविधि में निहितार्थ गुणातीत होने की अलौकिकता है। गतिविधि के संदर्भ में देखें तो धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष जीवन के चार पुरुषार्थ हैं। इनमें से हर पुरुषार्थ की विवेचना अनेक खंडों के कम से कम एक ग्रंथ की मांग करती है। यदि इनके प्रचलित सामान्य अर्थ तक ही सीमित रहकर भी विचार करें तो धर्म, अर्थ, काम या मोक्ष की लालसा न करना याने इन सब से ऊपर उठकर भीतर विशुद्ध भाव जगना। 'विशुद्ध', शब्द लिखना क्षण भर का काम है, विशुद्ध होना जन्म-जन्मांतर की तपस्या का परिणाम है।

परिणाम कहता है कि तुम अनादि हो पर आदि होकर रह जाते हो। तुम अनंत हो पर अपने अंत का साधन स्वयं जुटाते हो। तुम असीम हो पर तन और मन की सीमाओं में बँधे रहना चाहते हो। तुम असंतोष और क्षोभ ओढ़ते हो जबकि तुम परम आनंद हो।

राग, द्वेष, लोभ, मोह, मद, मत्सर, धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष इन सब से हटकर अपने अस्तित्व पर ध्यान केंद्रित करो। तुम अनुभव करोगे अपना अनादि रूप, अनुभूति होगी अंतर्निहित ईश्वरीय अंश की, अपने भीतर के चेतन तत्व की। तब शव होने की आशंका समाप्त होने लगेगी, बचेगी केवल संभावना, जो प्रति पल कहेगी 'शिवोऽहम।'

बोध कथा

मिट्टी के खिलौने

बहुत समय पहले चुई गांव में एक कुम्हार रहता था। वो हर रोज मिट्टी के बर्तन और खिलौने बनाकर उन्हें बेचने के लिए शहर जाता था। इसी से जैसे-तैसे उसका जीवन चल रह था। हर दिन की तंगी से परेशान होकर एक दिन उसकी पत्नी ने उससे कहा कि मिट्टी के बर्तन बनाकर बेचना बंद करो। अब सीधे शहर जाओ और किसी नौकरी की तलाश करो, ताकि हम लोग कुछ धन कमा सकें। कुम्हार को भी अपनी पत्नी की बात सही लग रही थी। वह खुद भी अपनी हालत से परेशान था। वह शहर गया और वहां जाकर नौकरी करने लगा। भले ही वह नौकरी करता था, लेकिन उसका मन मिट्टी के खिलोने और बर्तन बनाने का करता रहता था। फिर भी वह मन मारकर चुपचाप अपनी नौकरी करने में लगा रहा।

ऐसे ही उसे नौकरी करते हुए काफी समय गुजर गया। वह जहां काम करता था, उसके मालिक ने एक दिन उसे अपने बेटे के जन्मदिन पर बुलाया। जन्मदिन के उपहार के तौर पर हर कोई महंगे-महंगे तोहफे खरीदकर ले गया था। कुम्हार ने सोचा कि हम गरीबों का तोहफा भला कौन ही देखता है, इसलिए मैं मालिक के बच्चे को मिट्टी का खिलौना बनाकर दे देता हूं। यही सोचकर उसने मालिक के बेटे के लिए एक मिट्टी का खिलौना बनाया और उसे उपहार के तौर पर दे दिया। जब जन्मदिन की दावत खत्म हुई, तो मालिक के बेटे और उसके साथ के दूसरे बच्चों को मिट्टी का खिलौना खूब पसंद आया। वहां मौजूद सभी बच्चे वैसा ही मिट्टी का खिलौना लेने की जिद करने लगे।

बच्चों की जिद देखकर व्यापारी की दावत में मौजूद हर कोई उस मिट्टी के खिलौने की चर्चा करने लगा। हर किसी के मुंह में एक ही सवाल था कि आखिर यह शानदार खिलौना कौन लेकर आया है? तब वहां मौजूद लोगों में से किसी एक ने बताया कि उनका नौकर यह खिलौना लेकर आया है। यह सुनकर हर कोई हैरान हो गया। फिर वो सभी कुम्हार से उस खिलौने के बारे में पूछने लगे। सबने एक सुर में कहा कि तुमने इतना महंगा और सुंदर खिलौना कहां से और कैसे खरीदा? हमें भी बताओ अब हमारे बच्चे इसी खिलौने को पाने की जिद कर रहे हैं।

कुम्हार ने उन्हें बताया कि यह कोई महंगा खिलौना नहीं है, बल्कि इसे मैंने खुद अपने हाथों से बनाया है। मैं अपने गांव में पहले यही बनाकर बेचा करता था। इस काम से कमाई बहुत कम होती थी, इसलिए मुझे यह काम छोड़कर शहर आना पड़ा और अब यह नौकरी कर रहा हूं। कुम्हार का मालिक यह सब सुनकर बहुत हैरान हुआ। उसने कुम्हार से कहा, 'क्या तुम ऐसा ही खिलौना यहां मौजूद हर एक बच्चे के लिए भी बना सकते हो?' कुम्हार ने खुश होकर कहा, ' हां मालिक, ये तो मेरा काम है। मुझे मिट्टी के खिलौने बनाना खूब पसंद है। मैं इन सभी बच्चों को अभी तुरंत खिलौने बना कर दे सकता हूं। इतना कहने के बाद कुम्हार ने मिट्टी जुटाई और खिलौने बनाने में जुट गया। कुछ ही देर में रंग-बिरंगे कई सारे मिट्टी के खिलौने बनकर तैयार थे। कुम्हार की यह कलाकारी देखर उसका मालिक हैरान होने के साथ ही काफी खुश भी हुआ। वह मन-ही-मन मिट्टी के खिलौनों का व्यापार करने की सोचने लगा। उसके मन में हुआ कि वह कुम्हार से मिट्टी के खिलौने बनवाएगा और फिर खुद उन्हें बेचे देगा। उसने यही सोचकर कुम्हार को मिट्टी के खिलौने बनाने का काम दे दिया। कुम्हार का मालिक उसके मिट्टी के खिलौने बनाने के हुनर से खुश था, इसलिए उस व्यापारी ने कुम्हार को रहने के लिए अच्छा घर और मोटी तनख्वाह भी देने का फैसला किया। कुम्हार अपने मालिक की इस पेशकश से काफी खुश था। वो तुरंत अपने गांव गया और परिवार वालों को अपने साथ रहने के लिए लेकर आ गया। खाने की तंगी और पैसों की कमी से जूझ रहा कुम्हार का परिवार आराम से व्यापारी के द्वारा दिए हुए घर में रहने लगे। कुम्हार द्वारा बनाए गए खिलौनों से उस व्यापारी को काफी मुनाफा भी हुआ। इस तरह से सब अपनी जिंदगी आनंद और खुशी के साथ जीने लगे।

वीर गाथा

मेजर रणबीर सिंह: दुश्मन के पूरे झुंड का किया खात्मा, भारत मां के लिए सीने पर खाई गोली

मेजर रणबीर सिंह का जन्म 30 अगस्त, 1938 को उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले के नांगल गांव में हुआ था। उनके पिता रामसिंह सेना में सूबेदार मेजर थे। रणबीर ने अपनी स्कूली शिक्षा बड़ौत और बेंगलूरु से पूरी की थी।

वे अपने पिता के पदचिह्नों का अनुसरण करते हुए सेना में भर्ती हो गए। उनका चयन एनडीए, खड़कवासला के लिए हो गया था। बाद में उन्हें आईएमए, देहरादून भेजा गया। वहां से दिसंबर 1958 में सेकंड लेफ्टिनेंट बनकर आए। उन्हें 19 पंजाब में कमीशन दिया गया था। मेजर रणबीर अगस्त 1965 में अपनी यूनिट के साथ जम्मू-कश्मीर में तैनात थे। उस दौरान पाकिस्तान ने षड्यंत्र रचते हुए 'ऑपरेशन जिब्राल्टर' शुरू किया, जिसका मकसद जम्मू-कश्मीर में घुसपैठियों और आतंकवादियों को भेजना था।

जल्द ही, भारतीय सेना का उनसे सामना हुआ। नौ अगस्त की रात को मेजर रणबीर सिंह के नेतृत्व में एक गश्ती दल को उरी सेक्टर में भेजा गया था। घुसपैठियों ने गश्ती दल पर गोलीबारी की। इसके जवाब में मेजर रणबीर ने अपनी दो टुकड़ियों को कार्रवाई का आदेश दिया। उन्होंने तेजी से धावा बोलते हुए घुसपैठियों के एक बड़े झुंड का खात्मा कर दिया। जवानों ने दुश्मन के कई हथियारों पर भी कब्जा कर लिया था। इससे पाकिस्तान के नापाक इरादों को बड़ा झटका लगा था।

इसी तरह 21 सितंबर को उच्चाधिकारियों ने मेजर रणबीर को आदेश दिया कि वे एक और लक्ष्य पर कब्ज़ा करें। जब रणबीर और साथी जवान वहां पहुंचे तो दुश्मन ने उन पर भारी गोलीबारी की। इससे रणबीर गंभीर रूप से घायल हो गए थे। इसके बावजूद उन्होंने अपने जवानों का नेतृत्व किया।

अचानक, दुश्मन की एक गोली उनके सीने पर लगी और वे वीरगति को प्राप्त हो गए। इससे साथी जवानों के क्रोध की ज्वाला धधक उठी। उन्होंने वहां मौजूद दुश्मन के एक-एक फौजी को ढेर कर दिया। उस इलाके समेत दुश्मन के हथियारों और तकनीकी उपकरणों पर भी कब्जा कर लिया गया।

देश की रक्षा के लिए समर्पित सैनिक और लक्ष्य की प्राप्ति के लिए दृढ़ निश्चयी अधिकारी मेजर रणबीर सिंह के बलिदान को हमेशा याद रखा जाएगा। उन्हें 'वीर चक्र' से सम्मानित किया गया।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता। – दक्षिण भारत राष्ट्रमत

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को तिमोर-लेस्ते के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित किया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दिली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को तिमोर-लेस्ते के राष्ट्रपति जोस रामोस-होर्ता ने शनिवार को अपने देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'ग्रैंड-कॉलर ऑफ द ऑर्डर ऑफ तिमोर-लेस्ते' से सम्मानित किया।

राष्ट्रपति कार्यालय ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में बताया कि मुर्मू (66) को सामाजिक सेवा में उनकी उपलब्धियों और शिक्षा, सामाजिक कल्याण एवं महिला सशक्तिकरण के प्रति उनके समर्पण के लिए इस सम्मान से नवाजा गया।

राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि यह सम्मान भारत और तिमोर-लेस्ते के बीच दोस्ती का प्रतिबिंब है।

मुर्मू तीन देशों की अपनी यात्रा के अंतिम पड़ाव के तहत शनिवार को दक्षिण-एशियाई देश तिमोर-लेस्ते की राजधानी दिली पहुंचीं। इससे पहले उन्होंने न्यूजीलैंड और फिजी की यात्रा की थी।मुर्मू तिमोर-लेस्ते की यात्रा करने वाली भारत की पहली प्रधानमंत्री हैं।राष्ट्रपति कार्यालय के अनुसार, हवाई अड्डे पर होर्ता ने मुर्मू का गर्मजोशी से स्वागत किया। हवाई अड्डे के बाहर बच्चे उनका अभिनंदन करते नजर आए। डिली में राष्ट्रपति भवन में मुर्मू का औपचारिक स्वागत किया गया और उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर भी दिया गया।

मुर्मू ने विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने के उपायों पर अपने समकक्ष होर्ता के साथ व्यापक चर्चा की। उन्होंने कहा, भारत और तिमोर-लेस्ते मधुर एवं दोस्ताना संबंध साझा करते हैं, जो लोकतंत्र तथा बहुलवाद के मूल्यों के प्रति हमारी साझा प्रतिबद्धता पर आधारित हैं। मुझे विश्वास है कि इससे दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंध और मजबूत होंगे।

मुर्मू ने कहा, मैंने सूचना प्रौद्योगिकी, डिजिटल प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य एवं फार्मास्यूटिकल, कृषि, क्षमता निर्माण एवं अन्य क्षेत्रों में भारत तथा तिमोर-लेस्ते के बीच द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने के उपायों पर राष्ट्रपति रामोस-होर्ता के साथ व्यापक चर्चा की।

दोनों नेताओं ने तिमोर-लेस्ते के अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन में शामिल होने की संभावनाओं पर भी बात की।

पाठ्यपुस्तकों में बदलाव भगवाकरण के बजाय भारतीय इतिहास के गौरव के लिए है: शौर्य डोभाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भाजपा नेता और विचारक संस्था 'इंडिया फाउंडेशन' के संस्थापक शौर्य डोभाल का कहना है कि देश के इतिहास या भूगोल के बारे में गौरव की भावना उत्पन्न करने वाले अंशों का उल्लेख करने के लिए पाठ्यपुस्तकों में बदलाव करने के किसी भी प्रयास को ''भगवाकरण'' के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। हालांकि, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि बदलाव तथ्यों पर आधारित होने चाहिए। यहां समाचार एजेंसी के मुख्यालय में 'पीटीआई' के संपादकों के साथ बातचीत में डोभाल ने कहा कि इसमें कोई संदेह नहीं है कि मौजूदा पाठ्यपुस्तकों में जो कुछ भी है, वह सुनी-सुनाई बातों पर आधारित नहीं है और उस पर अच्छी तरह शोध किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि बाद में कुछ तथ्य सामने आते हैं और यह सोचा जाता है कि उन्हें छात्रों को पढ़ाया जाना चाहिए, तो इसे ''भगवाकरण'' के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। भाजपा नेता ने कहा, ''उदाहरण के लिए मुगल साम्राज्य 1700 के आसपास खत्म हो गया और 1857 में अंग्रेज आए, फिर बीच के समय में किसी ने हम पर शासन किया होगा, लेकिन हम सुनते आ रहे हैं कि हम 1,000 साल से भी ज्यादा समय तक गुलाम रहे, पहले मुगलों के और फिर अंग्रेजों के। हो सकता है कि 100 साल से भी ज्यादा समय के दौरान भारत का फिर से पुनरुत्थान हुआ हो, लेकिन जैसे ही यह विचार सामने आता है, आलोचक कहते हैं कि भगवाकरण किया जा रहा है।'' बैंकर से राजनेता बने डोभाल ने कहा कि औपनिवेशिक शिक्षा प्रणाली का एक काम यह भी था कि ऐसे लोगों का निर्माण किया जाए जो आत्मगौरव में विश्वास नहीं करते। उन्होंने कहा, ''मैं यह नहीं कह रहा कि बदलाव तथ्य आधारित नहीं होने चाहिए, लेकिन अगर देश के इतिहास या भूगोल के बारे में कोई ऐसा हिस्सा है जो गौरवान्वित करता है, तो उसे क्यों नहीं उजागर किया जाना चाहिए। मुझे नहीं लगता कि यह भगवाकरण है।'' डोभाल की यह टिप्पणी राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद की पाठ्यपुस्तकों में बदलाव को लेकर जारी बहस के बीच आई है, जिसमें विपक्ष भाजपा नीत राजग सरकार पर इतिहास के तथ्यों से छेड़छाड़ करने का आरोप लगा रहा है।

भारतीय-अमेरिकी सांसद ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले रोकने के लिए अमेरिका से हस्तक्षेप की मांग की

वाशिंगटन/भाषा। भारतीय-अमेरिकी सांसद श्री थानेदार ने बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ ''समन्वित हमलों'' को रोकने का विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन से आग्रह करते हुए अमेरिकी सरकार से अल्पसंख्यक समुदाय के ''सताए गए'' सदस्यों को शरणार्थी के रूप में अस्थायी संरक्षित दर्जा देने का अनुरोध किया है।

हिंसा प्रभावित बांग्लादेश में दो हिंदू संगठनों - बांग्लादेश हिंदू बौद्ध ईसाई एकता परिषद और बांग्लादेश पूजा उद्यापन परिषद - के अनुसार, पांच अगस्त को शेख हसीना के नेतृत्व वाली सरकार के पतन के बाद से हिंसा प्रभावित बांग्लादेश में अल्पसंख्यक समुदायों के सदस्यों को 52 जिलों में हमलों की कम से कम 205 घटनाओं का सामना करना पड़ा।

नौ अगस्त को ब्लिंकन को लिखे अपने पत्र में मिशिगन के सांसद ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हो रहे अत्याचारों को लेकर केवल उन्होंने ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय के कई लोगों ने निंदा की है।

हाकी खिलाड़ी

नई दिल्ली में शनिवार को भारतीय पुरुष हॉकी टीम के खिलाड़ी मनप्रीत सिंह अपनी पत्नी और बेटी के साथ नई दिल्ली में पेरिस ओलंपिक 2024 में कांस्य पदक जीतने के बाद दिल्ली हवाई अड्डे पर अपने पदक के साथ तस्वीर खिंचवाते हुए।

इराक के प्रस्तावित विवाह कानून पर भड़कीं फातिमा सना शेख, कहा- यह भयानक है

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड अभिनेत्री फातिमा सना शेख ने इराक में लड़कियों के लिए विवाह की कानूनी उम्र घटाकर 9 साल करने के प्रस्ताव पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने इसे भयानक बताया है। फातिमा सना शेख ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक खबर के लिंक को शेयर कर लिखा, इराक लड़कियों के लिए विवाह की कानूनी उम्र 15 से घटाकर 9 साल करने की योजना बना रहा है। उफ्फ! क्या किसी दुनिया में इसका कुछ मतलब भी है? भयानक है ये। दरअसल, इराक की संसद में एक विधेयक प्रस्तावित है। इस विधेयक में लड़कियों की शादी की कानूनी उम्र घटाकर 9 साल करने का प्रस्ताव है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, इस विधेयक का उद्देश्य देश के पर्सनल स्टेटस लॉ में संशोधन करना है, जो वर्तमान में शादी के लिए न्यूनतम आयु 18 वर्ष निर्धारित करता है। यह इराक के नागरिकों को परिवार मामलों पर फैसला करने के लिए धार्मिक अधिकारियों या सिविल न्यायपालिका के बीच चयन करने की अनुमति देगा। इस विधेयक को लेकर लोगों में काफी गुस्सा भी है। बता दें कि फातिमा ने 1997 में आई फिल्म 'इश्क' में एक बाल कलाकार के रूप में अपने करियर की शुरुआत की थी, जिसमें आमिर खान, अजय देवगन, जूही चावला और काजोल ने अभिनय किया था। उन्होंने 2016 में नितेश तिवारी द्वारा डायरेक्ट की गई दंगल में पहलवान गीता फोगट की भूमिका निभाकर सुर्खियां बटोरी थी। इसमें सान्या मल्होत्रा ङ्घङ्घङ्घङ्घने बबीता फोगट की भूमिका निभाई, जबकि आमिर खान ने महावीर फोगाट का किरदार निभाया था। उन्होंने अपने फिल्मी सफर के दौरान ठग्स ऑफ हिंदोस्तान, आकाशवाणी, लूडो, सूरज पे मंगल भारी, अजीब दास्तान, धक धक और सैम बहादुर जैसी फिल्मों में काम किया है। वह आने वाले दिनों में मेट्रो...इन डिनो और उल जलूल इश्क में नजर आएंगी।

'लापता लेडीज' की स्क्रीनिंग से पहले आमिर खान उच्चतम न्यायालय पहुंचे

नई दिल्ली/भाषा। बॉलीवुड अभिनेता आमिर खान फिल्म 'लापता लेडीज' की न्यायाधीशों के लिए स्क्रीनिंग से पहले शुक्रवार को उच्चतम न्यायालय पहुंचे और प्रधान न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ ने उनका स्वागत किया। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, ''मैं अदालत में भगदड़ नहीं चाहता, लेकिन हम आमिर खान का स्वागत करते हैं, जो फिल्म की स्क्रीनिंग के लिए यहां आए हैं। निर्देशक किरण राव भी जल्द ही हमारे साथ शामिल होंगी।'' यह फिल्म ग्रामीण भारत की दो दुल्हनों की हृदयस्पर्शी कहानी है, जिनकी ट्रेन में यात्रा के दौरान गलती से अदला-बदली हो जाती है।

इसका निर्माण राव के बैनर 'किंडलिंग प्रोडक्शंस' और खान के बैनर 'आमिर खान प्रोडक्शंस' ने किया है। उच्चतम न्यायालय में शुक्रवार को न्यायाधीशों, उनके परिवारों और रजिस्ट्री के अधिकारियों के लिए यह फिल्म प्रदर्शित की जाएगी।

न्यायालय के प्रशासनिक अनुभाग द्वारा जारी एक पत्र में कहा गया, ''भारत के उच्चतम न्यायालय की स्थापना के 75वें वर्ष के दौरान आयोजित गतिविधियों के तहत लैंगिक समानता के विषय पर आधारित फिल्म 'लापता लेडीज' शुक्रवार, नौ अगस्त, 2024 को प्रशासनिक भवन परिसर के सी-ब्लॉक स्थित ऑडिटोरियम में प्रदर्शित की जाएगी।'' राव ने कहा कि उच्चतम न्यायालय में न्यायाधीशों के समक्ष फिल्म का प्रदर्शन देखना एक सम्मान की बात है।

उन्होंने एक बयान में कहा, '' फिल्म 'लापता लेडीज' को भारत के उच्चतम न्यायालय में प्रदर्शित करके इतिहास बनाते हुए देखकर मेरा दिल गर्व से भर गया है। मैं इस सम्मान के लिए भारत के माननीय प्रधान न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ की बहुत आभारी हूं।'' फिल्मकार राव ने कहा कि उन्हें उम्मीद थी कि फिल्म की कहानी लोगों को प्रभावित करेगी, लेकिन दर्शकों से मिला प्यार उनकी उम्मीदों से कहीं अधिक है।

आनंद एल राय बनाएंगे 'तनु वेड्स मनु' का तीसरा पार्ट!

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के जानेमाने निर्देशक आनंद.एल.राय अपनी सुपरहिट फिल्म तनु वेड्स मनु का तीसरा पार्ट बनाना चाहते हैं। आनंद. एल. राय निर्देशित फिल्म तनु वेड्स मनु वर्ष 2011 में प्रदर्शित हुयी थी, जिसमें कंगना रनौत और आर. माधवन ने मुख्य भूमिका निभायी थी।तनु वेड्स मनु की सफलता के बाद आनंद.एल.राय ने वर्ष 2015 में तनु वेड्स मनु की सीक्वल तनु वेड्स मनु रिटर्न्स बनायी।

अब इस फिल्म के तीसरे पार्ट की चर्चा हो रही है। आनंद. एल. राय ने कहा है कि फिल्म तनु वेड्स मनु का तीसरा पार्ट जरूर आएगा। उन्होंने कहा, तनु वेड्स मनु एक ऐसी फ्रेंचाइजी है,जो तीसरा पार्ट डिमांड करती है। ऐसा इसलिए है क्योंकि वह किरदार बहुत खूबसूरत हैं, और कंगना और माधवन ने इन किरदारों को बहुत प्यारी तरह निभाया है। वह किरदार कहानी से भी थोड़े बड़े हो गए थे। शुरुआत में तनु वेड्स मनु को फ्रेंचाइजी बनाने का प्लान नहीं था, फिल्म का सीक्वल तनु वेड्स मनु की सफलता के बाद तय किया गया। तनु वेड्स मनु बहुत अच्छे ढंग से खत्म की गई थी।

कहानी पूरी थी। लेकिन किरदार वापस आने को आतुर थे। इसलिए हम दूसरी बना पाए। जैसी ही हमारे पास एक ग्रेट स्टोरी होगी, वो कहानी जिसके हकदार तनु, मनु और दत्तो होंगे, हम इसे बनाएंगे।

रैली

कोलकाता में शनिवार को बांग्लादेश में भारतीयों और हिंदू अल्पसंख्यकों पर हमलों के खिलाफ कोलकाता में धार्मिक तपस्वी एक विरोध रैली में भाग लेते हुए।

फिल्म सनम का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड से भोजपुरी फ़िल्म जगत में एंट्री कर चुके राहुल शर्मा की नई भोजपुरी फिल्म 'सनम' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। फ़िल्म सनम में राहुल शर्मा के साथ दक्षिण भारतीय अभिनेत्री मेघा श्री और भोजपुरी फिल्म अभिनेत्री प्रीति मौर्या नजर आएगी। इस फ़िल्म के निर्माता रत्नाकर कुमार ने फ़िल्म का ट्रेलर वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स भोजपुरी के ऑफिसियल यूट्यूब चैनल पर रिलीज कर दिया है। जिसमें घर के मुखिया दादा जी और परिवार का लाडला पोता का रिश्ता दिखाया गया है। दादा जी की भूमिका में अभिनेता विनोद मिश्रा, पोते की भूमिका में राहुल शर्मा, प्रेमिका की भूमिका में मेघा श्री और प्रीति मौर्या, हीरो के दोस्त के किरदार में रोहित सिंह मटरू, मेहमान भूमिका में प्रगति भट्ट और काजल त्रिपाठी नजर आ रही हैं। इस फिल्म निर्माता के रत्नाकर कुमार हैं। निर्देशक अनंजय रघुराज हैं। सह-निर्मात्री निवेदिता कुमार हैं। फ़िल्म की कहानी, पटकथा और संवाद राकेश त्रिपाठी लिखी है।

फ़िल्म सनम के मुख्य कलाकार राहुल शर्मा, मेघा श्री, प्रीती मौर्या, विनोद मिश्रा, रोहित सिंह मटरू, संजीय मिश्रा, शम्भू राणा, निशा तिवारी, धामा वर्मा, अभय राय, योगेश पाण्डेय, रिषभ राजपूत, मिंटू सिंह, आँचल तिवारी, पूजा चौधरी, प्रगति भट्ट (अतिथि कलाकार), काजल त्रिपाठी हैं। सह-निर्देशक विवेक कुमार मणि, छायांकन जगमिंदर सिंह हुडल, संगीतकार साजन मिश्रा, शुभम तिवारी हैं। गीतकार आशुतोष तिवारी, धरम हिन्दुस्तानी हैं। सिंगर सुगम सिंह, प्रियंका सिंह ज्योति शर्मा हैं। नृत्य निर्देशक एम के गुप्ता, पार्श्व संगीत असलम सुरती, कला निर्देशक रंधीर हैं। संकलन कोमल वर्मा, बिजनेस हेड इमरोज अख्तर, प्रोडक्शन कंट्रोलर अखिलेश राय, कार्यकारी निर्माता राजेश सिरसाट हैं। वीएफएक्स चन्दन कुमार, डीआई मनिंदर सिंह (बंटी) ने किया है। ट्रेलर एडिटर उमेश मिश्रा हैं। साउंड इफेक्ट और मिक्सिंग कृष्णा विश्वकर्मा, वेश भूषा बादशाह खान का है। इस फ़िल्म का राइट्स वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स के पास है।

निर्माता रत्नाकर कुमार ने कहा कि 'हमने फ़िल्म सनम का ट्रेलर लांच कर दिया है, जोकि हर किसी को पसंद आ रहा है। वर्ल्डवाइड के बैनर से बनने वाली हर फिल्म दर्शकों के इमोशन और डिमांड के अनुसार अच्छे सब्जेक्ट पर बनती है और लोग हमें प्यार भी देते हैं। अच्छी और कमर्शियल फिल्में बनाना मेरी प्राथमिकता है। इस फ़िल्म की कहानी जबरदस्त है और इसकी मेकिंग भी बड़े स्तर पर की गई है।

राहुल शर्मा ने कहा,फिल्म सनम मेरे दिल के बहुत करीब है। मेरी और मेघाश्री की जोड़ी फुल टू धमाल मचाने वाली है। मुझे दर्शकों के प्यार और आशीर्वाद की हमेशा जरूरत है। फ़िल्म प्रोड्यूसर रत्नाकर सर को बहुत बहुत धन्यवाद, उन्होंने इतनी अच्छी में कास्ट किया, जिसके लिए मैं आभारी हूँ। मेरी कोशिश रही है कि अपने किरदार को जीवंत करूं, जिससे दर्शकों का दिल जीत सकूं। उम्मीद है कि फिल्म सनम दर्शकों को बहुत पसंद आयेगी।

फिल्म 'चिंटू की दुल्हनिया' का फर्स्ट लुक रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

भोजपुरी सिनेमा के चॉकलेटी स्टार प्रदीप पांडेय चिंटू की आने वाली फिल्म 'चिंटू की दुल्हनिया' का फर्स्ट लुक रिलीज हो गया है। जॉली हिट्स एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनी भोजपुरी फिल्म 'चिंटू की दुल्हनिया' का फर्स्ट लुक रिलीज कर दिया गया है।

फिल्म के निर्देशक चन्दन सिंह ने बताया की भोजपुरी फिल्म 'चिंटू की दुल्हनिया' कॉमेडी-हॉरर है, जिसकी पूरी शूटिंग उत्तर प्रदेश में की गई है। देसी धुन म्यूजिक पर इसका ट्रेलर जल्द रिलीज की जाएगा।

फिल्म चिंटू की दुल्हनियां के मुख्य कलाकार प्रदीप पांडेय चिंटू ,यामिनी सिंह ,शिल्पी राघवानी,प्रमोद माउथो,राम सूजन सिंह ,रश्मि शर्मा ,पुष्पेंद्र कुमार ,सोनिया मिश्रा ,नेहा सिंह ,कृष्णा कुमार सोनी ,महेश आचर्य ,मनोज दिवेदी ,पूर्वी ,अमन सिंह चौहान ,नन्द किशोर ,अभय झा,मेहनाज़ श्रॉफ ,देव सिंह ,सिप्पी भट्ट ,अंकित चौहान ,विशाल सिंह ,रॉकी ,मोहित कनोजिया आदि है।

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ हनुमंतनगर में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री धर्मप्रभाजी ने कहा कि आसक्ति दुःख का कारण है और अनासक्ति सुख-मोक्ष का कारण हैं।

इन्द्रियों के नियंत्रण से शांति और आनंद संभव : साध्वीश्री आगमश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के हीराबाग जैन स्थानक सेपिंग्स रोड चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी धैर्याश्रीजी ने कहा कि सुख दुःख का संबंध महल और झोपड़ी के साथ नहीं, वह हमारे खोपड़ी के साथ में है। परिस्थिति अपने अनुकूल हो पर जब तक समझ सही नहीं है तो जीवन का आनंद नहीं लिया जा सकता है। ज्ञानियों ने कहा है लखपतियों के लाख दुःख तो करोड़पति के करोड़ दुःख है।

धन में सुख होता तो नरक में नहीं जाना पड़ता। साध्वी आगमश्रीजी म सा ने बताया कि पुदगलों का स्वभाव परिवर्तनशील है। जो पुदगल आज अच्छे लगते है वो कल बुरे लग सकते है। परिवर्तन पुदगलों का धर्म है। समभाव के साधक हर समय पर्याय परिवर्तन का का चिंतन करते हुए आत्मस्य में रहते है, उनमें राग दोष के परिणाम उत्पन्न नहीं होते है। जो इन्द्रियों का निग्रह कर लेते है वे शांति और आनंद का अनुभव करते है। इस रविवार को प्रवचन के बाद हीरागीत मंडल ने गीत अंताक्षरी का आयोजन कर रही है। संचालन गौतम नाहर ने किया।

मर्यादा में हमारी सुरक्षा भी है और शोभा भी : विनयमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गणेश बाग में चातुर्मासार्थ विराजित शिविराचार्य विनयमुनिजी खींचन ने कहा कि मर्यादा में हमारी सुरक्षा भी है और शोभा भी। राष्ट्र हो या समाज प्रत्येक का एक संविधान होता है जो आम व्यवस्था व एक रुपता के लिए आवश्यक है। आज मर्यादा के प्रति हमारा समर्पण घट रहा है, इसलिए सामाजिक समस्याएं बढ़ रही हैं्। परिवार बिखर रहे हैं और संस्कृति छिन्न भिन्न हो रही है और हम बेबस लाचार हो गए हैं। विनयमुनिजी ने कहा कि हम जड़ से राग कम करें और जीव से द्वेष कम करें्। जीवन यात्रा का यह साधना सूत्र है। भौतिक पुद्गलों के लिए हम अपना समय और संपदा व्यर्थ कर रहे हैं जबकि अपनों से ही दूर होते जा रहे हैं। रिश्तों की बुनियाद कमजोर हो रही हैं्। विचार तामसिक हो रहे हैं और अहम भावना बढ़ रही हैं्। सात्विकता काम पड़ रही हैं। प्रदर्शन की चाह मानसिक अशांति कराती हैं और स्वदर्शन में समाधि रहती हैं। प्रसन्न मांडोत ने सभा का संचालन किया।

‘सुख दुख का आधार है मन’

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के सिमंधर शान्तिसूरि जैन संघ, वीवी पुरम के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री अरिहंतसागरसूरीश्वरजी ने संभवनाथ भवन में, प्रवचन देते हुए कहा कि हो सकता है कि शरीर अपने नियंत्रण में नहीं हो पर, मन नियंत्रण में रख सकते हैं । अगर मन स्वस्थ है तो आनंद का अनुभव कर सकते हैं। सुख दुख का आधार मन है। और मन को स्वस्थ रखने के लिए मैत्री भाव है। उत्कृष्ट मैत्री भाव तीर्थंकर नामकर्म तक पहुंचाता है। किसी के प्रति बुराई का भाव नहीं होना चाहिए। माता-पिता, अड़ोस पड़ोस किसी की भी सेवा में स्वार्थ भावना नहीं आनी चाहिए । स्वार्थ भावना को नष्ट करने के लिए यह मानव भव मिला है। अगर स्वार्थ भावना नष्ट नहीं करेंगे तो स्वार्थ की भावना आनेवाले भव में साथ चलेगी। अच्छा किया है तो अच्छा फल मिलेगा ही, ये दृढ विश्वास होना चाहिए । भले ही सामने वाला आपका कुछ भी ना करें तो भी आपको तो लाभ ही है। मैत्री भावना करने से हमारी आत्मा में अनेक का गुण प्रकट होते हैं । धन की शक्ति लिमिटेड है परंतु गुण की शक्ति अनलिमिटेड है ।

संसार बंधन के मूल कारण हैं आसक्ति, मोह, मुर्छा व लिप्तता : साध्वीश्री धर्मप्रभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ हनुमंतनगर में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री धर्मप्रभाजी ने कहा कि आसक्ति दुःख का कारण है और अनासक्ति सुख-मोक्ष का कारण हैं। संसार में बाँधकर रखने का मूल कारण है आसक्ति, मोह, मुच्छा व लिप्तता । जब तक मूच्छा कम नहीं होगी तब तक आत्मा कर्मों के बोझ से हल्की नहीं होगी और जब तक आत्मा कर्मों के बंधनों से हल्की नहीं होगी तब तक वो उर्ध्वारोहण नहीं कर सकती हैं। रिश्तों का मोह और धन, संपत्ति वैभव आदि सांसारिक भौतिक पर्दाथों की प्राप्ति का मोह- आसक्ति हमारी आत्म जागृति में बाधक है। मोह और कषाय, आसक्ति के रहते संसार की नश्वरता की समझ पाना कठिन कार्य बताया गया हैं्। जैसे कमल का फूल जल से उत्पन्न होता है मगर फिर भी जल से अलिप्त रहता है। उसी प्रकार जो संसार में मोह वश आसक्त नहीं होता उसी को पंडित, ब्राह्मण व ज्ञानी महापुरुष कहा जाता है। आसक्ति से मोह और मीट से कर्मी का बन्ध होता हैं्। यह मोह ही संसार में रुलनि वाला और साधक के मुक्ति में बाधक है।

साध्वी श्री स्नेहप्रभाजी म.सा. ने कहा कि अनादिकाल से हमारी आत्मा संसार में जन्म-मरण के चक्रव्यूह में फंसी हुई है और अभी तक उसे मुक्ति रूपी किनारा नहीं मिला है उसका प्रधान कारण है- आसक्ति। जिस प्रकार प्राप्त पदार्थों के प्रति आसक्ति दुःख का कारण हैं, उसी प्रकार अप्राप्त पर्दाथों की कामना भी अनर्थी का कारण है। आसक्ति संसार में रुलाती हैं और भक्ति मुक्ति दिलाती है। सच्चे सुख का सार यही है कि संयम में प्रवृत्ति व असंयम में निवृत्ति करना। उन्होंने नंदन मणियार के प्रेरक कथानक पर रोशनी डालते हुए कहा कि जीव की अंत में जैसी मति होती हैं वैसेहि उसकी गति होती हैं। धर्मसभा में चेन्नई से प्रसन्न छाजेड़, गौतमचंद गांधी और पार्कवेस्ट से हंसराज गांधी सहित अनेक श्रद्धालुगण उपस्थित हुए्। मंत्री सुरेश कुमार धोका ने बताया कि रविवार को मध्यान्ह में नानीबाई रो मायरी भक्ति की शक्ति पर आधारित विशेष प्रवचन का आयोजन रखा गया है।

महावीर शांति अवार्ड से सम्मानित हुए प्रकाश बाबेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु । शहर के जन्मभूमि सांस्कृतिक नागरिक वेदिके द्वारा सदाशिवनगर स्थित श्रीकृष्ण देवराय कला मंदिर प्रांगण में वार्षिक 25वां कन्नड़ हब्बा व सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस आयोजन में विभिन्न क्षेत्रों से शहर के चुनिंदा गणमान्यों का उनकी विशिष्ठ सेवा के लिए सम्मान किया गया। इसी मौके पर मानवसेवा, संघसेवा व समाजसेवा के महत्वपूर्ण योगदान के लिए गांधीनगर तेरापंथ ट्रस्ट के अध्यक्ष व वरिष्ठ समाजसेवी यशवंतपुर निवासी प्रकाश बाबेल को 'महावीर शान्ति प्रशस्ति' अवार्ड से सम्मानित किया गया। इस मौके पर आयोजकों ने प्रकाश बाबेल की समाजसेवा की सराहना करते हुए उन्हें सम्मानित किया।

कार्यक्रम में बीबीएमपी के मुख्य अभियंता बीजे प्रसाद, सिटी क्राइम पुलिस इंस्पेक्टर जीटी श्रीनिवास,पॉवर टीवी के प्रमुख रविप्रसाद, मारुति मेडिकल के महेंद्र मुणोत, संघ के मुख्य संस्थापक अध्यक्ष कृष्णप्पा, मल्लेश्वरम पुलिस इंसपेक्टर जगदीश, बीजेपी मंडल उपाध्यक्ष गौतम मुथा आदि ने प्रकाश बाबेल को प्रशांसा पत्र व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

इस मौके पर गांधीनगर ट्रस्ट के मंत्री गौतम डोसी व ललित बाबेल, दीपक बाबेल आदि भी कार्यक्रम में उपस्थित थे।

तेरापंथ महिला मंडल आरआर नगर का चित्त समाधि योग शिविर सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के तेरापंथ महिला मंडल आरआर नगर द्वारा साध्वीश्री सिद्धप्रभाजी के सान्निध्य में चित समाधि शिविर का आयोजन किया गया। अध्यक्ष सुमन पटावरी ने सभी का स्वागत किया। प्रथम चरण में साध्वीश्री आस्थाप्रभाजी ने चित समाधि का अर्थ बताते हुए कहा चित् का अर्थ है चेतना और समाधि का अर्थ है मन, वचन और काया में क्षमता ।

द्वितीय चरण में साध्वीश्री मलययशाजी ने सामाजिक दायित्व का निर्वाह करते हुए चित्त समाधि में रहने का तरीका बताया। जो व्यक्ति मन को जीत लेता है वह सब को जीत लेता है जीवन संयम पूर्वक रहेगा तो हम दूसरों को खुशहाल रख सकते हैं। हमारा जीवन शुभ भावों में रहे हम चित्र समाधि में रहे सबसे पहले हम सबसे मैत्री भव रखे । साध्वी दीक्षाप्रभाजी ने मंगल भावना के प्रयोग कराया। साध्वी सिद्धप्रभाजी ने कहा हम चित समाधि में रहे, स्वावलंबी बने सहिष्णुता का अभ्यास करते रहे, शारीरिक स्वच्छता से पहले मन की स्वच्छता बनी रहे, दीर्घ स्वास का अभ्यास करें, संयम को जीवन में अपनाए, आवश्यकता से अधिक न बोले सोच और फिर बोले। मंत्री ममता जैन ने संचालन किया और आभार मंत्री पदमा महेर ने किया।

जीतो नार्थ महिलाओं ने साध्वीश्री सुधाकंवर से सीखे जैन सिद्धांत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जीतो चैप्टर नार्थ लेडीज विंग ने राष्ट्रीय प्रोजेक्ट श्रमण आरोग्यम के तहत विजयनगर में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री सुधाकंवरजी के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। इस मौके पर 'जर्नी ऑफ़ जॉय-ऑन जैन प्रिंसिपल्स' विषय पर साध्वीश्री ने कहा कि जैन धर्म अहिंसा, सत्य, अस्तेय (चोरी न करना), ब्रह्मचर्य (पवित्रता) और अपरिग्रह के सिद्धांतों पर टिका है। यहीं सिद्धांत संस्कृति की पहचान है। साध्वीश्री सुयशाश्रीजी म.सा ने कहा कि यात्रा का सार आनंद प्रसन्नता और खुशी से भरा होना चाहिए।

हम किसी यात्रा पर निकलते हैं, तो हम अक्सर गंतव्य पर ध्यान केंद्रित करते हैं, लेकिन यह याद रखना भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि यात्रा स्वयं अनुभव का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। एक सुंदर, आनंददायक और शांतिपूर्ण यात्रा मंजिल को और भी मधुर और संतुष्टिदायक बना सकती है। उपाध्यक्ष रेशमा पुनमिया ने सभी का स्वागत किया। जीतो महिला विंग पदाधिकारियों ने श्रमण आरोग्यम फॉर्म साध्वीजी को भेंट किया।

साध्वीश्री ने श्रमण आरोग्यम योजना की सराहना की। संघ की महिला मंडल अध्यक्ष किरण भंडारी, मंत्री पवन रांका एवं बहू मंडल मंत्री चंद्रा पामेचा ने जीतो पदाधिकारियों का सम्मान किया। संयोजिका रुचिका पटावरी ने संचालन किया और सह संयोजिका अलका लोढा ने पदाधिकारी का परिचय दिया एवं व्यवस्था संभाली । जीतो लेडीज विंग नॉर्थ अध्यक्ष बिन्दु रायसोनी, महामंत्री सुमन वेदमुथा ने साध्वीश्री के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की।

सावन महोत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन कर्नाटक की महिला इकाई ने सावन में तीज का उत्सव हर्षोल्लास से मनाया। महिला सचिव पूजा अग्रवाल ने सबका स्वागत किया और रितु और राखी ने मंच संचालन किया। इस मौके पर स्वागत स्वरूप तुलसी के पौधे बांटे गए। कार्यक्रम में समाज की वरिष्ठ महिलाओं का सम्मान किया गया। अध्यक्षा रितु अग्रवाल ने कहा कि पारंपरिक त्यौहार मनाने से आपसी प्रेम और एकता बढ़ती है। क़रीब 65 सदस्याएं ने पारंपरिक तरीके से संगीत एवं तीज़ उत्सव का आनन्द उठाया।

जिनवाणी में नास्तिक को भी आस्तिक बनाने की क्षमता है : संतश्री राजेशमुनि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के शांतिनगर स्थित लुणावत जैन स्थानक भवन में चातुर्मासार्थ विराजित राजेशमुनिजी ने कहा कि हमें जिनवाणी इस उद्देश्य से सुननी चाहिए कि हमारी आत्मा का उद्धार हो। जिनवाणी से हम जीने की कला सीख सकें, इसके सूत्र हमारे आचरण में उतरें तो ही हमारे जीवन का कल्याण हो सकता है। जिनवाणी में नास्तिक को भी आस्तिक बनाने की क्षमता है। उत्तराध्ययन सूत्र की व्याख्या करते हुए कहा कि हमें अपने संसार को सीमित करना है और मोक्ष की प्राप्ति करनी है। शील और तप से कषाय की आग को ठंडा करना है। प्रतिशोध और प्रतिरोध की अग्नि को प्रतिबोध से ठंडा करना है। मुनिश्री ने कहा कि सामायिक के माध्यम से समभावों को साधते हुए जीवन को ऊंचा उठाने का प्रयास करना चाहिए्। समभाव से ही कषायों को जीता जा सकता है।

जीवन में लोभ, मान, माया और क्रोध कषायों से बचना चाहिए : साध्वीश्री सुधाकंवर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के विजयनगर स्थानक में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री सुधाकंवरजी द्वारा प्रभु महावीर की अंतिम देशना उत्तराध्ययन सूत्र के 29वें अध्ययन के अन्तर्गत आगम वाणी के तहत कहा कि चार प्रकार के कषायों की आलोचना करनी चाहिए, ये चार कषाय लोभ, मान, माया, क्रोध, चारों कषाय काँटे अर्थात् शल्य की तरह है। साध्वी विजयप्रभाजी व साधनाश्रीजी ने महारानी सोहन के जीवन चरित्र का मधुर पद्यों के साथ विवेचन किया।

साध्वी सुयशाजी ने अमृत और जहर के बारे मे बताते हुए कहा कि दोनों का उद्गम स्थल एक ही जगह से होता है पर एक जीवनदायी तो दूसरा जीवन विनाशक होता है। अमृत और जहर की तुलना वाणी से की है, जो दोनों ही जिव्हा से उत्पन्न होती हैं, वाणी में तीन बातों का प्रमुख ध्यान रखना चाहिए जिससे वाणी अमृत का काम करती है तो वाणी जहर का काम भी करती है। इन तीन बातों का ध्यान रखना कि वाणी कही मिथ्या तो नहीं है, दुसरी बात वाणी अप्रिय या आदेशात्मक नहीं हो अर्थात प्रस्तुत करने का तरीका सही होना चाहिये, तीसरी बात असामयिक नहीं होनी चाहिए अर्थात अच्छी से अच्छी बात भी समय के अनुरूप ही होनी चाहिए अन्यथा अच्छी बात भी जहर का काम कर देती हैं। विजयनगर संघ अध्यक्ष आनंद कुमार नाहर ने सभी का स्वागत किया। मंत्री कन्हैयालाल सुराणा ने धन्यवाद दिया।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

जय भास्कर चैनल ने मनाया रजत जयंती समारोह

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज का एकमात्र इलेक्ट्रॉनिक राष्ट्रीय न्यूज चैनल 'जय भास्कर समाचार' का पच्चीसवां एपिसोड के प्रसारित होने की खुशी मे शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज के प्रमुख सुनील शर्मा ने रजत जयंती समारोह आयोजित किया। संस्थापक सुनील शर्मा ने जय भास्कर समाचार के पच्चीसवां एपिसोड प्रसारित होने की खुशी में पूरी संपादकीय टीम को शुभकामनाए देते हुए कहा कि यह सफलता पूरी टीम वर्क के कार्य से हमें मिली है। शर्मा ने जय भास्कर की टीम के सभी सदस्यों का सम्मान किया। शर्मा ने भास्कर यात्री निवास के व्यवस्थापक वीरेन्द्र शर्मा को नई कार सौंपी। यात्री निवास की व्यवस्था संभालने वाले वीरेन्द्र शर्मा, अश्विन शर्मा एवं अविनाश शर्मा का सम्मान किया। चंद्रा शर्मा एवम संतोष शर्मा ने जय भास्कर समाचार की पूरी टीम को शुभकामनाए दी।

बसवनगुड़ी में खरतरगच्छ संघ द्वारा मनाया गया खरतरगच्छ दिवस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जिनकुशल सूरी आराधना भवन में खरतरगच्छ संघ की तरफ से खरतरगच्छ दिवस बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। मुनिश्री मलयप्रभसागरजी म.सा ने अपने प्रवचन के माध्यम से गच्छ गौरव से संबंधित अनेक प्रसंगों को उद्धृत करते हुए गच्छ के समृद्ध इतिहास से परिचित कराया। साध्वी श्री स्वर्णांजनाश्रीजी म.सा ने भी प्रसंगानुसार प्रवचन सुनाया। सर्व प्रथम शासनध्वज लहराकर शासनगीत के माध्यम से झंडावादन किया गया। दादावाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी, मंत्री कुशल गुलेच्छा, खरतरगच्छ संघ के अध्यक्ष प्रकाश भंसाली, खरतरगच्छ युवा परिषद के अध्यक्ष पंकज बाफना, खरतरगच्छ महिला परिषद की अध्यक्षा आरती जैन, जिनदत्तकुशलसूरी जैन सेवा मण्डल के अध्यक्ष अरविंद कोठारी ने झंडारोहण किया। इस अवसर पर खरतर गौरव डिजिटल प्रतिस्पर्धा भी आयोजित की गई जिसमें खरतरगच्छ की गौरव गाथा पर स्वनिर्मित वीडियो द्वारा अनेक प्रतिस्पर्धियों ने भाग लिया। सभी विजेताओं को रजत चिन्ह से सम्मान किया। संघ अध्यक्ष प्रकाश भंसाली द्वारा विजेताओं के नामों की घोषणा की गई। उन्होंने बताया कि 15 सितंबर के दिन क्षमापना समारोह सह स्नेह मिलन का आयोजन चुन्नीलाल तनसुखराज गुलेच्छा के सौजन्य से किया जाएगा। प्रतियोगिता संयोजन में तेजस छाजेड़ एवं गौरव संखलेचा की अहम भूमिका रही। संचालन संघ के मंत्री राजेन्द्र गुलेच्छा ने किया। यह जानकारी कैलाश संखलेचा ने दी।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com